



स्मरिका



स्मारिका 2022-23



भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति द्वारा संचालित

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन : 0771-4053443

Email: info@gurukulraipur.com

Website : www.gmm.ac.in



स्व. डॉ. अरूण कुमार सेन

संस्थापक अध्यक्ष

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, भारतीय संगीत के प्रति पूर्ण समर्पित, तपस्वी साधक एवं अंचल के उज्वल नक्षत्र स्व. डॉ. अरूण कुमार सेन अपनी अद्भुत बुद्धिमता, अथक परिश्रम, अविचल कर्तव्यनिष्ठा एवं स्वभावगत मधुरता के लिए एक अनुकरणीय आदर्श थे। उनके कृतित्व की स्मृति अद्यपर्यन्त चिरस्थायी है। वे एक महान संगीतज्ञ, ख्यातिलब्ध शिक्षाविद, समाजसेवी, नारी शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित तथा नाट्य, नृत्य एवं अन्य ललितकलाओं के विकास के लिए सदैव तत्पर रहे। 'कर्म ही पूजा है' सह सूक्ति आजीवन उनकी युक्ति बनी रही।

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मानसिक संतुलन न खोना, व्यवहार में सामान्यता बनाये रखना उनकी चारित्रिक विशेषता रही। भारतीय संस्कृति, साहित्य, कला को समृद्ध करने तथा सत्यम् शिवम् सुन्दरम् के उदान्त भावों का विन्यास करने में छत्तीसगढ़ का अवदान ऐतिहासिक और विशिष्ट ही नहीं वरन उनके लिए मूल्यवान रहा। संगीत और साहित्य में प्रतिभा संपन्न होने के साथ ही, विभिन्न लोकविधाओं में आपकी प्रतिभा मुखर हुई हैं। यही सृजन आपकी अप्रतिम विद्वता, चिंताशीलन और सौन्दर्यवेदित्व की सशक्त अभिव्यंजना बनी। सुगंध, चंदन का स्वाभाविक गुण है। यत्र-तत्र रखने पर भी वह न केवल स्वयं महकता है, वरन् संपूर्ण वातावरण में भी अपनी सुगंध बिखरा देता है। चंदन सा महकता व्यक्तित्व पाया था, डॉ अरूण कुमार सेन ने आज भी खुशबू अपने यशरूपी भाव से आपके होने का एहसास निरंतर कर रहा है।



संपादक की कलम से

हितेन सह सहितम् तस्य भाव : सहित्य : ।

अर्थात् जो सबका हित करे वह साहित्य है, साहित्य उस रचना को कहते हैं जो लोक मंगल का विधान करती है, समाज की उन्नति और विकास की आधारशिला रखती है। साहित्य इतिहास से अवगत तो कराती ही है, साथ ही भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। साहित्य में व्यक्ति और समाज को प्रभावित करने की अपार क्षमता होती है। जीवन का यथार्थ, मन की कल्पना, हृदय की व्याकुलता कलम के माध्यम से जब कागज पर उतारी जाती है तब होती है साहित्य की रचना। साहित्य रचना के लिए लेखन कौशल का होना आवश्यक है। भावों एवं विचारों की कलात्मक अभिव्यक्ति है- लेखन। इस पत्रिका के माध्यम से छात्राओं में लेखन कौशल का विकास करना, शिक्षा के साथ-साथ साहित्य रचना के लिए मंच प्रदान करना, छात्राओं की कल्पना को साकार रूप देकर, उनके सपनों को उड़ान के लिए पंख देना, हमारा उद्देश्य है, ये छात्राएं देश के भावी साहित्यकार होंगे तथा समाज को अपनी लेखनी के माध्यम से दशा और दिशा प्रदान करेंगे।

मैं आभारी हूँ महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त गुरुकुल परिवार के जिनके सहयोग से यह पत्रिका हम प्रस्तुत कर सकें। आवश्यकता है, आपके मार्गदर्शन की जिससे हम 'अरूणिता' को और अधिक सँवार सकें।

डॉ. सीमा चंद्राकर

सहा. प्राध्यापक (हिंदी)

गुरुकुल महिला महाविद्यालय



Azadi...

**“Education is the most powerful weapon which you can use to change the world.”
- Savitribai Phule**

Such great words said by the first Indian woman teacher, Savitribai Jyotirao Phule, an Indian social reformer, educationalist, and poet from Maharashtra. Savitribai was illiterate at the time of her marriage and later was educated by her husband Mahatma Jyotirao Govindrao Phule. To honour her, January 3rd the birthday of Savitribai Phule is celebrated as Mahila Shikshan Din.

We would like our girls, our students to understand that Freedom is **the ability to express oneself the way one wants to**. With freedom, we are allowed to do whatever we choose to, in order to improve our lives, our financial situations and improve the world. Freedom also creates and embraces diversity, because all people are unique. Freedom for a girl is not about being able to do the things like a man without any restrictions, but freedom is **to let her choose and decide what she wants**.

Now when we are on the path of making Bharat Aatmanirbhar, today girls have become an asset for families. Respect for education of girls has become even more of a priority in the society. Girls are shining in many fields such as sports, science and academics.

“If you want to make a woman happy, give her freedom and education” – Savitribai Phule

Bringing out this engrossing Annual edition of Arunita is a team work and the major contributors being our wonderful, creative students. I extend my heartfelt thanks to Bhatkhande Lalit Kala Sikhsha Samiti and its President, Secretary the Director of our College & Principal Madam, the entire teaching and non-teaching faculty, the sports in charge and the Librarian in assisting us with their guidance and in making our work convenient. I also extend my wholehearted thanks to Dr. (Mrs.) Seema Chandrakar, Magazine In charge and Hindi Editor, who plays a major role in giving shape to 'Arunita' and to Ankit Prakashan and their entire team for putting in an extraordinary effort for publishing this edition of 'Arunita.' We look forward to your suggestions in making our magazine even more captivating.

**“We shall overcome and success will be ours in the future. The future belongs to us.”
Savitribai Phule**

Dr. Simrann Rajesh Vermaa
Assistant Professor – English



सुश्री अनुसुईया उइके
राज्यपाल छत्तीसगढ़



राजभवन

रायपुर - 492001

छत्तीसगढ़, भारत

फोन : +91-771-2331100

फोन : +91-771-2331105

फैक्स : +91-771-2331108



क्र./559/पीआरओ/रास/22
रायपुर, दिनांक 03 नवंबर 2022

—: संदेश :—

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर द्वारा वार्षिक पत्रिका 'अरुणिता' का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है कि यह पत्रिका महाविद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने में सफल होगी और अधिक से अधिक लोग महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से अवगत होंगे।

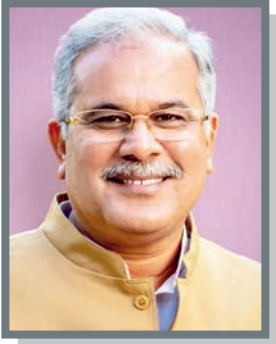
'अरुणिता' पत्रिका के प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।


(सुश्री अनुसुईया उइके)



भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री

Bhupesh Baghel
CHIEF MINISTER



मंत्रालय, महानदी भवन
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोन: +91 (771) 2221000, 2221001
ई-मेल: cmcg@mc.in

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Atal Nagar, Raipur, 492002, Chhattisgarh
Ph: +91 (771) 2221000, 2221001
E-mail: cmcg@mc.in

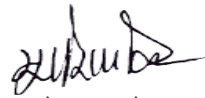
Do.No: 543 Date: 28/10/2022

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी, रायपुर की वार्षिक पत्रिका 'अरुणिता' का प्रकाशन किया जा रहा है।

ऐसी पत्रिकाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की साहित्यिक, बौद्धिक तथा बहुआयामी रचनात्मक प्रतिभा का विकास होता है। वहीं महाविद्यालय की गतिविधियों एवं विशेषताओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचती है। संस्थान द्वारा विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का माध्यम सुलभ कराया जाना स्वागत्य है।

प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।


(भूपेश बघेल)



उमेश पटेल

मंत्री

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा, कौशल विकास,
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग



मंत्रालय कक्ष क्रमांक- M1-12

महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर 492002 (छ.ग.)

फोन : 0771-2510316, 2221316

नि. : D-1/2, शास. आवासीय परिसर, देवेन्द्र नगर, रायपुर

फोन : 0771-2881030

ग्राम व पोस्ट नंदेली, जिला-रायगढ़ कार्यालय: 7000477747

क्रमांक B/1492

दिनांक 19/10/2022



संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर द्वारा वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका में महाविद्यालय की सम्पूर्ण जानकारी, विभिन्न गतिविधियों तथा प्रबुद्ध आध्यापकों के सृजनात्मक गुण तथा छात्र-छात्राओं के विचार एवं प्रतिभा को प्रदर्शित किया जायेगा।

आशा है कि यह पत्रिका छात्र-छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक और उपयोगी साबित होगी।

पत्रिका के प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।


(उमेश पटेल)



भुवनेश यादव आई.ए.एस.
सचिव



छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
एस-1-13, मंत्रालय, महानदी भवन,
नवा रायपुर, अटल नगर-492002
दूरभाष : 0771 - 2510757 (ऑ.)

अर्धशासकीय पत्र क्र. : 1281
दिनांक : 30.11.2022
ईमेल : secy.he.cg@gmail.com

—: शुभकामना संदेश ::—

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए अपनी वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यार्थियों के विचार एवं प्रतिभा को उभारने एवं निखारने हेतु महाविद्यालय द्वारा पत्रिका का माध्यम उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों में सृजनात्मकता और संवेदनशील अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन प्राप्त होगा। "अरुणिता" महाविद्यालय परिवार में एक नई ऊर्जा के संचार में सहायक सिद्ध होगा।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका में महाविद्यालय और महाविद्यालयीन शिक्षा कार्यक्रमों की जानकारी सहित अनेक शैक्षिक नवाचार प्रकाशित किये जायेंगे जिससे महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उत्साह वर्धन होगा और उच्च शिक्षा प्राप्त युवा वर्ग से एक प्रबुद्ध एवं उत्कृष्ट समाज का निर्माण होगा।

मैं वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

(भुवनेश यादव)



डॉ. केशरी लाल वर्मा
कुलपति

Dr. Keshari Lal Verma
Vice Chancellor



पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) भारत
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (Chhattisgarh) – 492010 – INDIA

Office : +91 771-2262857
Fax : +91 771-2263439
E-mail : vc_raipur@prsu.ac.in
Website : www.prsu.ac.in
Mobile No. : +91 8527324400



रायपुर, दिनांक 04 नवंबर, 2022

शुभकामना

यह जानकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी रोड, रायपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अरुणिता' का प्रकाशन सत्र 2022-23 के लिए किया जा रहा है।

किसी भी शैक्षणिक संस्था का उद्देश्य अपने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ बौद्धिक एवं मानसिक रूप से सक्षम बनाना है। महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं अभिरुचि को विकसित एवं प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम होती है। इसके माध्यम से युवाओं के सृजनात्मक प्रतिभा एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को पथ प्रदर्शित किया जाएगा, ऐसा विश्वास है।

आशा है महाविद्यालयीन पत्रिका 'अरुणिता' महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों एवं छात्र-छात्राओं के प्रतिभा को विकसित एवं प्रकाशित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

महाविद्यालय परिवार को मेरी अशेष शुभकामनाएँ।

(केशरी लाल वर्मा)



पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

रायपुर (छ.ग.) भारत

फोन : +91-771-2262540

ई-मेल : registrarprsu@gmail.com

वेब : www.prsu.ac.in



Pt. Ravishankar Shukla University

Raipur (C.G.), India

Off. : +91-771-2262540

E mail : registrarprsu@gmail.com

Web : www.prsu.ac.in

क्रमांक / 1852 / कु.स. / 2022

रायपुर, दिनांक 19 / 10 / 2022



// शुभकामना संदेश //


अत्यंत हर्ष का विषय है कि भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" का प्रकाशन सत्र 2022-23 के लिये किया जा रहा है।

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति का न केवल प्रदेश में वरन् पूरे भारतवर्ष में देश की ललित कला संस्कृति, संगीत विधाओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान है।

सम्पूर्ण विश्व में आज भी भारतीय संगीत एवं ललित कलाओं को सम्मान प्राप्त है। इसमें आप जैसे शिक्षण संस्थाओं की महती भूमिका है।

आशा है कि महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" के माध्यम से महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों को अपनी मौलिक रचनाओं के प्रस्तुतीकरण का एक उचित अवसर प्राप्त होगा।

"शुभकामनाओं सहित"


(डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटेल)
कुलसचिव



भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति

(पंजीयन क्रमांक 16/1951-52) (e-mail: - blssr1950@gmail.com)
गाँधी चौक, रायपुर (छ.ग.) भारत
गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर (छ.ग.) भारत

तरल मोदी
अध्यक्ष
09425206801

अनजय तिवारी
उपाध्यक्ष
08770983152

श्रीमती शोभा खण्डेलवाल
सचिव
09827406385

क्रमांक : 450/BLSSR/2022

दिनांक : 04.11.2022



अध्यक्ष की कलम से

मान्य जीवन को विकसित करने के लिए शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा भारत अपने हजारों साल की संस्कृति को संजोकर भविष्य में विकसित देशों के साथ कदम गिलाकर चल सकेगा। गुरुकुल महिला महाविद्यालय का उद्देश्य अध्ययनरत छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षा देना एवं अनुशासित चरित्र निर्माण है, जिससे भविष्य में छात्रायें समाज निर्माण में योगदान दे सकें। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालय शैक्षणिक तथा सहशैक्षणिक गतिविधियों द्वारा सतत प्रयासरत है।

पूरे महाविद्यालय परिवार को पत्रिका प्रकाशन हेतु शुभकामनाओं सहित!

तरल मोदी
अध्यक्ष
भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति
रायपुर (छ.ग.)

संचालित संस्थाएँ/प्रतिष्ठान

- कमला देवी संगीत महाविद्यालय, रायपुर
- लक्ष्मीनाथराव कन्या उ.मा. शाला, रायपुर
- गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर
- भातखण्डे संगीत संस्थान, मुम्बई व रायपुर
- गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़ रायपुर
- अरुणोदय कन्या प्राथमिक शाला, रायपुर
- डॉ. अरुण कुमार सेन स्मृति संगीत शोध संस्थान, रायपुर
- अरुणोदय कन्या प्राथमिक शाला, रायपुर
- रामदेव पेठागृह, गाँधी चौक, रायपुर
- संगीतविद्यया 'म्यूजिक सेंटर' रायपुर
- गुरुकुल पेठागृह, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर
- अरुण मंच, गुरुकुल परिसर रायपुर



फोन : 0771-4053443



गुरुकुल महिला महाविद्यालय

उत्तीसगढ़ शासन तथा पंडित विशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबंध

गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) ई-मेल : info@gurukulraipur.com, Website : www.gmm.ac.in

संचालित भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति, गांधी चौक, रायपुर (उत्तीसगढ़) पंजीयन क्रं. 16/51-52

क्रमांक : 4443/22

दिनांक 04/11/2022

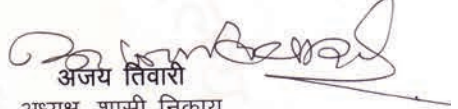


संदेश

महाविद्यालयीन पत्रिका यहाँ संचालित गतिविधियों का दर्पण होता है। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को साकार रूप देने का एक सशक्त माध्यम पत्रिका होता है जिसके माध्यम से युवा पीढ़ी का भविष्य के लिए सोच, कल्पनाशक्ति एवं चिंतन मनन का गुण परिलक्षित होता है।

किसी भी शैक्षणिक संस्था की शिक्षा इतनी प्रभावपूर्ण होनी चाहिए कि छात्र ना केवल अपनी कल्पनाओं को उड़ान दे सके अपितु उन्हें पन्नों पर भी उकेर सके। गुरुकुल महिला महाविद्यालय का उद्देश्य सर्वांगीण नारी शिक्षा है और "अरुणिता" का प्रकाशन इस उद्देश्य को स्पष्ट करने की दिशा में एक कदम है।

इस कार्य के लिए गुरुकुल परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाओं सहित!


अजय तिवारी
अध्यक्ष, शासी निकाय
गुरुकुल महिला महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)



फोन : 0771-4053443

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

छत्तीसगढ़ शासन तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबंध

गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) ई-मेल : info@gurukulraipur.com, Website : www.gmm.ac.in

संचालित भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति, गांधी चौक, रायपुर (छत्तीसगढ़) पंजीवन क्रं. 16/51-52

क्रमांक : 4445/22

दिनांक : 02/11/2022



शुभकामना संदेश

शिक्षक वह नहीं होता जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है जो उन्हें आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे। विद्यार्थी का शिक्षक के प्रति आदर, शिक्षक का शिक्षा के प्रति समर्पण और विद्यार्थी एवं शिक्षक के बीच में अपनत्व का भाव, यही एक जोड़ी होती है जो ना केवल ज्ञान परोसती है बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाती है और सपने संजोने की आदत भी बनाती है। गुरुकुल कुछ इसी तरह की गुरु शिष्य परंपरा का पालन करती है। वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" का प्रकाशन इसी परंपरा का एक सोपान है।

महाविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तरोत्तर विकास की शुभकामनाओं सहित!

नरेशचन्द्र गुप्ता
सदस्य, शासी निकाय
गुरुकुल महिला महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)



भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति

(पंजीयन क्रमांक 16/1951-52) (e-mail: - blssr1950@gmail.com)

गाँधी चौक, रायपुर (छ.ग.) भारत

गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर (छ.ग.) भारत

तरल मोदी
अध्यक्ष
09425206801

अनजय तिवारी
उपाध्यक्ष
08770983152

श्रीमती शोभा खण्डेलवाल
सचिव
09827406385

क्रमांक : 449/BLSSR/2022

दिनांक : 04.11.2022



शुभकामना संदेश

प्रत्येक बालिका देव प्रतिमा है। इन्ही मे से कोई गार्गी, मीरा, लीलावती, दुर्गा, लक्ष्मी बनती है। शिक्षा के साथ सरलता, चंचलता, कोमलता, उत्सुकता और कौतूहल जैसे नारी सुलभ गुणों का विकास का प्रयास गुरुकुल महिला महाविद्यालय का स्थापना काल से है। इन प्रयासों का प्रतिफल महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के नियमित आयोजन से परिलक्षित होता है। "अरुणिता" का प्रकाशन इन प्रयासों का फल है।

पूरे महाविद्यालय परिवार को सतत् प्रयास हेतु अशेष शुभकामनायें!

Shandelwal

श्रीमती शोभा खण्डेलवाल
सचिव

भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति
रायपुर (छ.ग.)

संचालित संस्थाएँ/प्रतिष्ठान

- कमला देवी संगीत महाविद्यालय, रायपुर
- लक्ष्मीनारायण कन्या उ.मा. शाला, रायपुर
- गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर
- भातखण्डे संगीत संस्थान, मुम्बई व रायपुर
- गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़ रायपुर
- अरुणोदय कन्या प्राथमिक शाला, रायपुर
- डॉ. अरुण कुमार सेन स्मृति संगीत शोध संस्थान, रायपुर
- अरुण मंच, गुरुकुल परिसर रायपुर
- रंगमंदिर पेडागूह, गाँधी चौक, रायपुर
- संगीतक 'म्यूजिक सेंटर' रायपुर
- गुरुकुल पेडागूह, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर



फोन : 0771-4053443

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

उत्तीसगढ़ शासन तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबंध

गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) ई-मेल : info@gurukulraipur.com, Website : www.gmm.ac.in

संचालित भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति, गांधी चौक, रायपुर (उत्तीसगढ़) पंजीयन क्रं. 16/51-52

क्रमांक : 4444/04

प्राचार्य की कलम से

दिनांक : 04/11/2022



शिक्षा का मुख्य उद्देश्य ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों को विकसित करना है जो जीवन में विकल्प बनाने में मदद करेगा। साहस, आत्मसम्मान एवं युद्धकौशल के साथ अन्याय का प्रतिकार करने की प्रतिबद्धता ने रानी लक्ष्मीबाई को स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में अमर कर दिया। जीवन में इन गुणों को कुशल प्रबंधन के साथ आत्मसात किया जाये तो एक भोली भाली अल्हड़ मनु रानी लक्ष्मीबाई बन सकती है। रणभूमि हो या कर्मभूमि निःसंदेह कौशल एवं क्षमता के विकास के बिना यह संभव नहीं है। गुरुकुल महिला महाविद्यालय अपने स्थापना काल से नारी शिक्षा के लिए समर्पित है एवं कौशल एवं क्षमता का विकास शैक्षणिक तथा सहशैक्षणिक गतिविधियों से करने के लिए सतत् प्रयासशील है।

“अरुणिता” का अर्थ प्रातःकालीन सूर्य की रौशनी को सरलतापूर्वक चारो दिशा में फैलाना है। महाविद्यालयीन “अरुणिता” अपने अर्थ के अनुरूप छात्राओं के बौद्धिक एवं साहित्यिक प्रतिभा को नई दिशा देने का एक प्रयास है। पत्रिका प्रकाशन एवं महाविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास की शुभकामनाओं सहित!

डॉ. संध्या गुप्ता
प्राचार्य

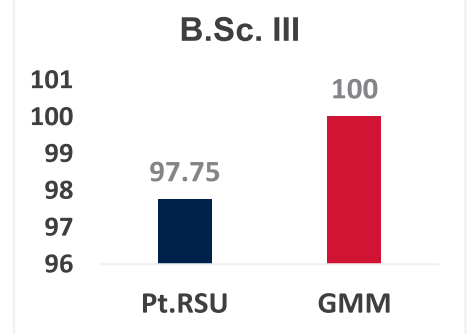
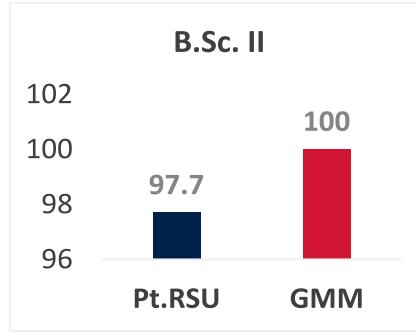
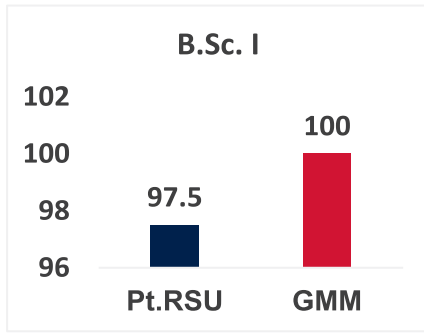


विज्ञान विभाग

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में विज्ञान विभाग का आरंभ महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही सन 2001 से हुआ। विज्ञान समूह के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.एस.सी. (गणित, कम्प्यूटर विज्ञान एवं जीव विज्ञान समूह) संचालित है जिसमें प्रत्येक समूह 50-50 सीटें आबंटित है। वर्तमान में विज्ञान विभाग में 13 प्राध्यापक विभिन्न विषयों में कार्यरत है। प्रायोगिक पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सर्वसुविधायुक्त, सुसज्जित विषयवार प्रयोगशाला महाविद्यालय में उपलब्ध है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए महाविद्यालय में विज्ञान परिषद का गठन विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है जिसके अंतर्गत छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिवर्ष संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यक्रम, क्विज, भाषण आदि प्रतियोगितायें तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाती है। छात्राओं के प्रायोगिक ज्ञान के लिए समय-समय पर बायोलॉजिकल संस्थान व इंडस्ट्रीयल विजिट कराया जाता है।

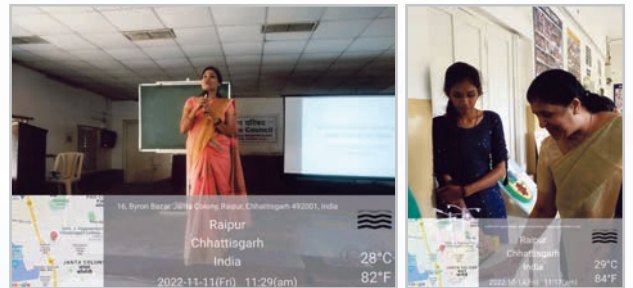
वर्ष 2021-22 का परीक्षाफल निम्नानुसार है: -

कक्षा	परीक्षाफल
बी.एस.सी. प्रथम	100%
बी.एस.सी. द्वितीय	100%
बी.एस.सी. तृतीय	100%



विज्ञान विभाग में कार्यरत विभागवार प्राध्यापक निम्न है:-

1. डॉ. वंदना अग्रवाल (विभागाध्यक्ष, विज्ञान विभाग)
2. डॉ. रेनी अग्रवाल (सहा. प्रा०, रसायन)
3. डॉ. मेघा अग्रवाल (सहा. प्रा० वनस्पति)
4. डॉ. सीमा साहू (सहा. प्रा०, वनस्पति)
5. डॉ. देवश्री वर्मा (सहा. प्रा०, जंतु)
6. सुश्री प्रीति साहू (सहा. प्रा०, जंतु)
7. श्रीमती टीनु दुबे (सहा. प्रा०, गणित)
8. सुश्री अंजली देवांगन, (सहा. प्रा०, गणित)
9. सुश्री संध्या जायसवाल, (सहा. प्रा०, गणित)
10. डॉ. अनुराधा गुप्ता (सहा. प्रा०, भौतिक)
11. सुश्री राजनंदनी साहू (सहा. प्रा०, भौतिक)
12. डॉ. सीमा चंद्राकर, (सहा. प्रा०, हिन्दी)
13. डॉ. सिमरन वर्मा (सहा. प्रा०, अंग्रेजी)

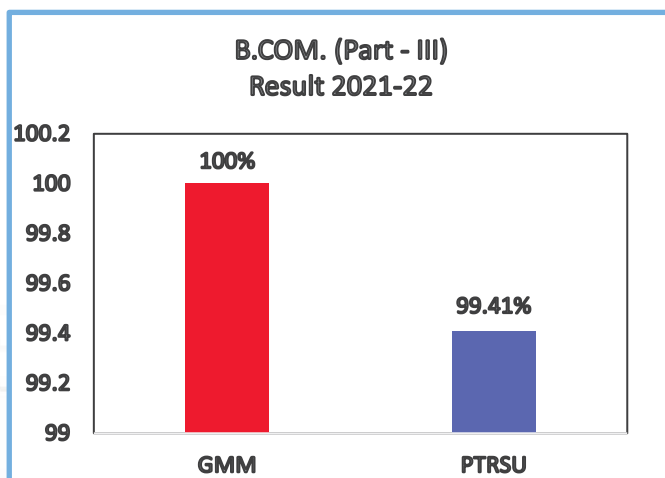
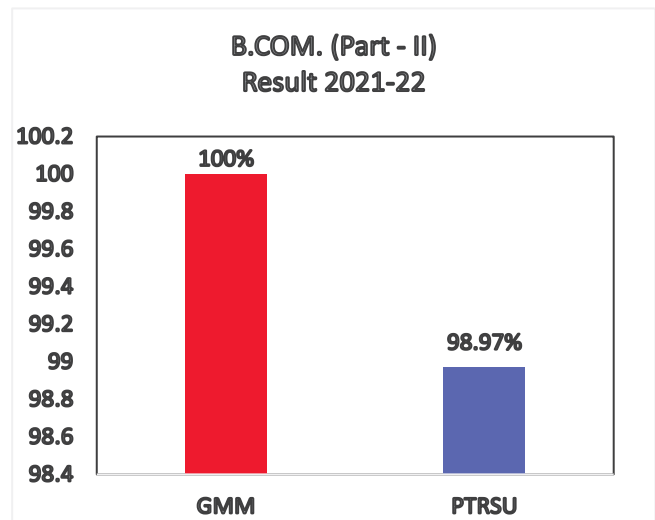
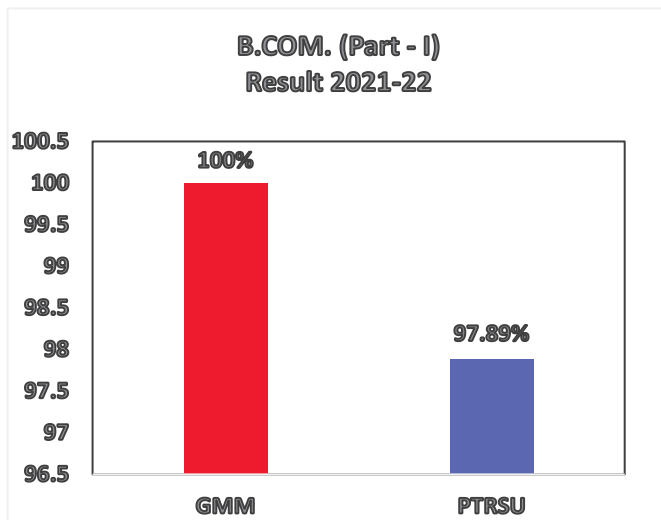


वाणिज्य विभाग

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2001 में वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी.काम. की 60 सीट के साथ प्रारंभ हुई तथा वर्ष 2005 में एम.काम. की कक्षाये 30 सीट के साथ प्रारंभ की गई।

वर्तमान में बी.काम. (प्लेन) – 100 सीट तथा बी.काम. (कम्प्युटर) – 100 सीट एवं एम.काम. – 30 सीट (प्रत्येक सेमेस्टर) आबंटित है। वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत 09 सहायक प्राध्यापक कार्यरत है। प्रत्येक वर्ष विभाग द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यक्रम, रिमिडियल कक्षाये, कार्यशाला, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, खेल संबंधी गतिविधियाँ तथा विभिन्न प्रतियोगिताये जैसे – वाद-विवाद, रंगोली, मेहंदी का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। तथा एम.काम. की छात्राओं को शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है।

वर्ष 2021-22 में वार्षिक परीक्षा परिणाम बी.काम. प्रथम वर्ष, बी.काम. द्वितीय वर्ष, बी.काम. अंतिम वर्ष तथा एम.कॉम. में शत-प्रतिशत परिणाम रहा।



वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक

1. डॉ. राजेश अग्रवाल (विभागाध्यक्ष)
2. श्रीमती कविता सिलवाल
3. श्रीमती रात्रि लहरी
4. श्रीमती ज्योति वर्मा
5. सुश्री मान्या शर्मा
6. डॉ. राबिया खान

COMMERCE



कम्प्यूटर विभाग

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2001 में कम्प्यूटर संकाय के अन्तर्गत बी.सी.ए की 30 सीट, पी.जी.डी.सी.ए/डी.सी.ए 60/60 सीट आबंटित है।

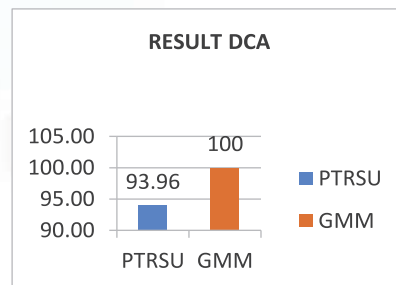
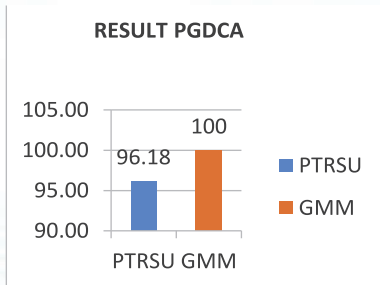
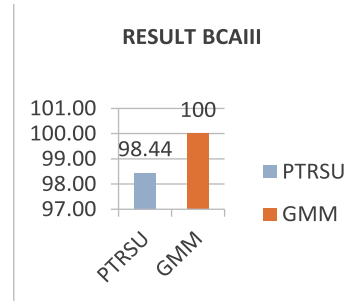
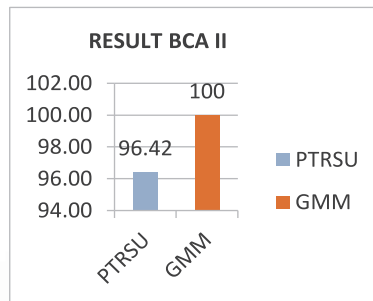
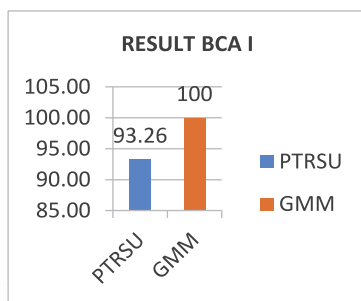
वर्तमान में कम्प्यूटर विभाग में 05 सहायक प्राध्यापक और 02 लैब टेक्निशियन कार्यरत है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिवर्ष संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधित कार्यक्रम, आंतरिक मूल्यांकन, ट्रेनिंग कार्यक्रम, वर्कशॉप आदि आयोजित किये जाते हैं और करियर बनाने हेतु उन्हें समय-समय पर उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जाता है।

2021-22 में वार्षिक परीक्षा परिणाम बी.सी.ए प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष एवं पी.जी.डी.सी.ए./डी.सी.ए. में शत प्रतिशत रहा है।

कम्प्यूटर विभाग :-

1. डॉ. अमिता तेलंग (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ. दीपशिखा शर्मा (सहायक प्राध्यापक)
3. श्रीमती रूकमणी दिग्रसकर (सहायक प्राध्यापक)
4. कु. अंशिका दुबे (सहायक प्राध्यापक)
5. कु. पूनम कटंकार (सहायक प्राध्यापक)
6. वैभव सिंह ठाकुर (लैब टेक्निशियन)
7. मनोज कुमार साहू (लैब टेक्निशियन)

वर्ष 2021-22 का परीक्षाफल निम्नानुसार है -



छात्रसंघ पदाधिकारी 2022-23



शीतल ठाकुर
अध्यक्ष
एम.कॉम तृतीय सेमेस्टर



मोनिका सैनी
एम.कॉम प्रथम सेमेस्टर
उपाध्यक्ष



बबिता साहू
सचिव
बी.एस.सी अंतिम (कम्प्यूटर साइंस)



ईशा साहू
सहसचिव
बी.एस.सी द्वितीय (कम्प्यूटर साइंस)



मेरिट स्कॉलरशिप 2022-23



आंचल दत्रिय
बी.एस.सी. अंतिम वर्ष
(कम्प्यूटर)
86-28%



श्रुति सुरावधनिवार
बी.सी.ए. अंतिम वर्ष
(कम्प्यूटर)
82.87%



सिन्नी पाण्डेय
बी.कॉम. अंतिम वर्ष
81-22%

इको क्लब हरियर वसुन्धरा



हमारी संस्कृति वन प्रधान रही है वन प्राकृतिक सन्तुलन बनाये रखने में विशेष भूमिका निभाते है। मिट्टी, जल, वायु पेड़-पौधे, जीव-जन्तु आदि सब पर्यावरण का मूलभूत घटक है। इन सभी के तालमेल से ही पर्यावरण स्वस्थ व सन्तुलित रहता है।

महाविद्यालय में इको क्लब द्वारा प्रतिवर्ष अलग-अलग पर्यावरण जागरूकता हेतु नि.लि. गतिविधियां करायी जाती है

1. पौधा रोपण कार्यक्रम
2. पौधारोपण के महत्व को अवगत कराने हेतु, औषधीदार, फलदार, छायादार, पौधो का वितरण
3. विश्व ओजोन दिवस 16 सितंबर के उपलक्ष्य में छात्राओ द्वारा नुक्कड़-नाटक, पौधा संरक्षण हेतु वृक्षों को रक्षासूत्र पहनाकर संकल्प लेना।

महाविद्यालय में पर्यावरण से जुड़ी गंभीर समस्यायें जैसे - जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तपन, मृदासंरक्षण, ऊर्जा संरक्षण जैसे समस्याओं को छात्राओं को अवगत कराने हेतु पर्यावरण जागरूकता निरंतर संचालित किया जा रहा है। जिससे छात्राएँ इनसे रूबरू हो और स्वयं जागरूक होकर आसपास के लोगो को अवगत कराये।

एक कदम प्रकृति की ओर बढ़ाये यह हमारे इको क्लब का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिये हम निरंतर प्रयत्नशील है।



डॉ. सीमा साहू
सहायक प्राध्यापक
वनस्पति विभाग
गुरुकुल महिला महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)





36TH
NATIONAL
GAMES
GUJARAT 2022

Celebrating Unity Through Sports

29 Sep - 12 Oct, 2022

महाविद्यालय खेल गतिविधि



शैक्षणिक संस्थाओं का आज यह नैतिक दायित्व है कि वह अपने संस्थाओं में बच्चों के सर्वांगण विकास के लिए हर एक पहलू पर ध्यान दे ताकि वह जीवन को सही दिशा और विकास के पथ पर अग्रसर कर सके।

छात्राओं के सर्वांगण विकास, उनके ज्ञान अन्तःशक्ति, योग्यता का निर्माण, पूर्णतम मात्रा तक शारीरिक और मानसिक योग्यता का विकास हो सके। अतः यह जरूरी है कि शारीरिक शिक्षा और खेलों के द्वारा अच्छे स्वास्थ्य व विकास का उच्चतम समन्वय हर शैक्षणिक संस्था के माध्यम से स्थापित किया जाये। शारीरिक शिक्षा न केवल छात्राओं के शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि शारीरिक क्षमता और मानसिक संचेतना को भी प्रभावित करता है। यह कुछ सदगुणों को विकसित करने में भी मदद करता है जैसे खेल भावना का विकास, नेतृत्व, अनुशासन, विजय भावना, और हार को स्वीकारना।

ऐसी ही मूलभूत प्रवृत्तियों के विकास के लिये हमारा गुरुकुल महिला महाविद्यालय सदैव तत्पर और क्रियाशील रहता है। इसी का परिणाम है कि हमारे महाविद्यालय के प्रांगण से हर वर्ष छात्राओं का शैक्षणिक के साथ-साथ खेलकूद की विधाओं में भी न केवल सार्थक सहभागिता रहती है अपितु खेल के विभिन्न मंचों पर अपनी उत्तम भागीदारी का हस्ताक्षर भी सक्रियता से करते हैं। छात्राओं के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न खेल संक्रियाओं में महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।



इस वर्ष अभी तक महाविद्यालय की छात्राएँ मूलतः सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में शामिल होकर राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिये चयनित हुयीं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में महाविद्यालय को प्रथम स्थान मिला।

विभिन्न खेलों में महाविद्यालय के छात्राओं की सहभागिता रहती है, इनमें बॉस्केट बॉल, सॉफ्ट टेनिस, खो-खो, जैसे खेलों का आयोजन हो चुका है। इनमें हमारे महाविद्यालय के छात्राओं का प्रदर्शन हर वर्ष की भांति उत्तम रहा है।





यह तो विदित ही है कि महाविद्यालय से छात्राओं का चयन कुश्ती, जुडो, हैण्डबॉल, खो-खो, बैडमिन्टन, तैराकी सॉफ्टबॉल, जैसी प्रतियोगिता में पं० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के टीम सदस्य के रूप में पूर्व के वर्षों में हो चुका है।

महाविद्यालय के द्वारा विभिन्न खेल शिविरों का आयोजन भी समय-समय पर किया जाता रहा है। जिनमें विशेष रूप से खो-खो, कबड्डी, हैण्डबॉल, टेबल-टेनिस, शतरंज और कुश्ती जैसी खेल विधा प्रमुखता से शामिल है। यही कारण है कि महाविद्यालयीन छात्रायें न केवल सेक्टर स्तरीय अपितु राज्य स्तरीय एवं विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भी अपना स्थान बनाने में सफल रही हैं।

प्रतिवर्ष खेल कैलेण्डर वर्ष में गुरुकुल महिला महाविद्यालय की छात्राओं का प्रदर्शन और सहभागिता आने वाली युवा छात्राओं के लिये सदैव प्रेरणा का काम करता है।

इन्हीं आशाओं के साथ कि

.।। गुरुकुल की बगिया में हर समय रहे ऐसे ही फूलों की महक, रोशन करे नाम सभी का गुँजाए हो हर दिशा में इनका वंदन।।

डॉ. रिकू पाण्डेय क्रीड़ाधिकारी

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

रायपुर (छ०ग०)





डिजिटल पुस्तकालय और सूचना केंद्र

सूचना समाज के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए बहुत आवश्यक है। मानवीय इतिहास विभिन्न अवस्थाओं से गुजर चुका है, कृषि क्रांति, औद्योगिक क्रांति तथा सूचना क्रांति इनमें से ही एक है। इसी कार ग्रंथालय व्यवसायी भी मानव जाति द्वारा लाई गई विभिन्न क्रांतिकारी परिवर्तन से गुजर चुके हैं। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की क्रांति ने डिजिटल स्वरूप में अधिक गति और अर्थव्यवस्था के साथ सूचना पहुंचाना शुरू कर दिया है, जिससे डिजिटल पुस्तकालय का विकास हुआ। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पारंपरिक ज्ञान को संग्रह करने, उस तक पहुंचने, सूचना को डिजिटल करने और संरक्षित करने में अधिक अवसर दान करती है। लाइब्रेरी का पहला और महत्वपूर्ण उद्देश्य सही उपयोगकर्ताओं को सही समय पर सही तरीके से सही जानकारी दान करना है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विशेष रूप से इंटरनेट और वेब, ने सूचना संरक्षण, प्रसार, उपयोग और उपयोग के तरीकों में बड़े पैमाने पर बदलाव लाए हैं। पहले के दिनों में सूचना मुद्रित प्रारूप में उपलब्ध कराई जाती थी। हालांकि, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की उन्नति के साथ, स्थिति में बदलाव आया है क्योंकि मुद्रित जानकारी को इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित किया गया है और इसकी मदद से उपयोग के लिए उपलब्ध है। इसके परिणामस्वरूप वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) के माध्यम से विद्वानों के साहित्य तक पहुंच दान करने के लिए काशकों, संस्थागत और व्यक्तिगत स्तर पर डिजिटल पुस्तकालयों का विकास हुआ। आज, डिजिटल पुस्तकालयों का विकास विकसित और विकासशील देश दोनों में तेजी से हो रहा है। डिजिटल लाइब्रेरी द्वारा इंटरनेट पर कई प्रकार की आर्टिकल, बुक, इमेज, मैगजीन इत्यादि को

आसानी से पढ़ सकते हैं। डिजिटल लाइब्रेरी को एक तरह के की वर्चुअल लाइब्रेरी माना जाता है। दूसरे शब्दों में इसे हाइब्रिडलाइब्रेरी और इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी भी कहते हैं।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के पुस्तकालय और सूचना केंद्र ने इन-हाउस डिजिटल सामग्री जैसे अनुसंधान रिपोर्ट, शोधकर्ताओं के प्रकाशन, शोध और शोध प्रबंध आदि के साथ संस्थागत रिपोजिटरी स्थापित करने का काम किया है। शोध संस्थान और शैक्षणिक संस्थान अपना संगठन बना रहे हैं। विश्वविद्यालयों में शोधकर्ताओं एवं प्राध्यापकों के लिए ओपन-एक्सेस जर्नल, ई पीजी पाठशाला, संस्थागत रिपोजिटरी, शोधगंगा, शोधगंगोत्री से इनप्लिबनेट एवं अन्य नेटवर्क संस्था द्वारा से एक मंच प्रस्तुत किया गया है। सूचना के माध्यम से शिक्षा पर अपने राष्ट्रीय मिशन के तहत मानव संसाधन विकास और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत (NDL इंडिया) पायलट परियोजना के राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत की है। NDL भारत किसी भी भाषा की सामग्री को धारण करने के लिए बनाया गया है और स्थानीय भाषा भाषाओं प्रमुख के लिए इंटरफेस का समर्थन प्रदान करता है। यह सभी विषयों के शोधकर्ताओं और शिक्षार्थियों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। यह छात्रों को सर्वोत्तम स्रोतों से अवगत करने, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी करने में मदद करने के लिए तथा शोधकर्ताओं को सक्षम करने के लिए विकसित किया गया है।

डॉ. अदिति जोशी
ग्रंथपाल
गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर





छोटी सी जिन्दगी

छोटी सी जिन्दगी हैं खुल कर जियो
चेहरे पर मुस्करहाट लेकर जियो
न किसी टेंशन से जियो
बेफिक होकर जियो
छोटी सी जिन्दगी है खुल कर जियो ।।
बुरे वक्त को भुलाकर नई शुरूआत करके जियो
किसी के चेहरे में खुशी लाकर
दूसरी की खुशी मे खुश होकर जियो
अच्छी बातों को सोचकर खुश रहकर जियो
छोटी सी जिन्दगी खुश होकर जियो ।।
न किसी से दुश्मनी की भावना
न मन में मन मुटाव सबके साथ मिलकर जियो
बड़ो का प्यार छोटों को स्नेह
चार दिन की जिन्दगी है खुश होकर जियो ।
छोटी सी जिन्दगी है हर बात
में खुश रहो आने वाला

कल किसने देखा है अपने आज
में खुश रहो ।।



रीना गुप्ता

कक्षा - बी.एस. द्वितीय वर्ष

नयी जगह आई हूँ।

अभी तो मैं नयी जगह में आई हूँ
नयी महफिल में नयी जगह में आई हूँ
कुछ पुराने यादो को छोड़कर
तो कुछ पुराने दोस्तो को भी साथ छोड़कर आयी हूँ ।
नयी सुबह की नयी किरणे नयी उमंग लेकर आई हूँ ।।
कुछ नयी -नयी बातें जानने की है जिज्ञासा
अभी तो मैं नयी जगह आयी हूँ ।
राहो में बहुत सी मुश्किलों का सामना करके आई हूँ ।
मन में बहुत से है विचार
नयी जगह में बहुत सी कठिनाई का करना है सामना
उसमें अपने आप को है ढालना
अभी तो नयी जगह आई हूँ ।
मन मचला जा रहा है नयी वातावरण में घुमने को जानने
अभी तो कई राहो में अकेली मुसाफिर हूँ
अभी तो नई जगह आई हूँ ।
नये दोस्त है बनाना
कुछ नोक झोंक की बातो का रखना है ध्यान
अभी तो नई जगह आई हूँ
यहां मुझे बनाना है अपनी पहचान
मुझे आगे मेहनत कर , काबिल बनना है, इंसान
अभी तो नयी जगह आयी हूँ ।

सेल्यूट क्यों देते है



सेल्यूट करने की प्रथा हमारे इतिहास और संस्कृति में सदा से ही रही है, लेकिन समय-समय पर सेल्यूट करने के तरीकों में परिवर्तन होते रहे हैं। पहले कुछ तरीकों में झुलकर या जमीन पर घुटनों

के बल माथा टेककर सेल्यूट किया जाता था। इन तरीकों में हाथ को एक विशेष भंगिमा में उठाना होता था। सैनिकों द्वारा सेल्यूट करने में सीधे हाथ को माथे तक या सिर पर रखी टोपी के किनारे तक लाना होता था सेल्यूट करने का यह तरीका बहुत पुराना नहीं है।



देने की प्रथा की शुरुआत 18 वीं शताब्दी के बाद ही शुरू हुई थी। इस प्रथा का कारण यह था कि जब सिपाही अपनी बंदूके छोड़ते थे तो काले रंग का पाउडर उनके हाथों पर जमा होता था। कालिख लगे हाथों से टोपी उतारने का अर्थ होता टोपी को खराब करना। अतः टोप को काला होने से बचाने के लिए उन्होंने सेल्यूट करने के तरीके में परिवर्तन कर लिया। इस प्रकार टोपी उतारने के बजाय हाथ उठाकर सेल्यूट करने की पद्धति शुरू हो गई।

यदि कोई पदाधिकारी तलवार लिए हुए हो तो वह तलवार की मूछ को अपने मुंह के पास तक लाकर, दायीं ओर

अठारवीं शताब्दी के अंत तक कनिष्ठ अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारियों को टोपी उतारकर सेल्यूट करते थे आज भी कुछ असैनिक पदाधिकारी इसी तरीके से सेल्यूट करते हैं। यह तरीका शायद मध्ययुग में शुरू हुआ था जबकि छोटे पदों पर आसीन व्यक्ति राजा-महाराजाओं के सामने अपनी पगड़ी या टोपी सिर से उतारकर आदर व्यक्त करते थे।

सिर से टोपी उतारने के बजाय हाथ उठाकर सेल्यूट

देखते हुए सेल्यूट करता है। सेल्यूट देने की यह प्रथा भी मध्यकाल में ही शुरू हुई थी। सेल्यूट करने की प्रथा केवल हमारे देश में ही प्रचलित नहीं है, बल्कि संसार के सभी देशों में इसका प्रचलन है।

यशस्वी भार्गव
बी.एस.सी. अंतिम वर्ष

मेरा महाविद्यालय

यह हमारा महाविद्यालय है
शिक्षा का उत्तम आलय है।
पढ़ते यहाँ हम सब बच्चे,
नियम-रीत में है सब बच्चे।

इंग्लिश यहाँ सिखाई जाती है
हिन्दी यहाँ पढ़ाई जाती है।
गणित यहाँ समझाई जाती है।
कला यहाँ सिखलाई जाती है।

शिक्षक सभी गुणी विद्वान,
देते विद्या का नित दान।
भाईचारे की शिक्षा देते है
देशभक्ति का पाठ पढ़ाते है।

यहाँ अनुभवी है सब शिक्षक
मानवता के है जो रक्षक।
वे करते सबकी अच्छी देखभाल,
उन्हें अनुशासन का है ख्याल।

खेलकूद में सबसे अच्छे
हमारे महाविद्यालय के बच्चे।
हमारे प्राचार्य सबसे अच्छे
कर्तव्यपरायण सीधे-सच्चे।

यह शिक्षा का उत्तम आलय है
यह हमारा महाविद्यालय है।



प्रियंका तिवारी

कक्षा - पीजीडीसीए, प्रथमवर्ष



पापा को समझने में पूरे 60 साल



एक पुत्र की नजर में उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर पिता

4 वर्ष : मेरे पापा महान हैं।

6 वर्ष : मेरे पापा सब कुछ जानते हैं वह सबसे होशियार है।

10 वर्ष : मेरे पापा अच्छे हैं परन्तु गुस्से वाले हैं।

12 वर्ष : मैं जब छोटा था तब मेरे पापा मेरे साथ अच्छा व्यवहार करते थे।

16 वर्ष : मेरे पापा वर्तमान समय के साथ नहीं चलते, सच पूछो तो उनको कुछ भी ज्ञान ही नहीं है।

18 वर्ष : मेरे पापा दिनों दिन चिड़चिड़े और अव्यवहारिक होते जा रहे हैं।

20 वर्ष : ओहो अब तो पापा के साथ रहना ही असहनीय हो गया है मालूम नहीं मम्मी इनके साथ कैसे रह पाती हैं।

25 वर्ष : मेरे पापा हर बात में मेरा विरोध करते हैं, कौन जाने कब वह दुनिया को समझ सकेंगे।

30 वर्ष : मेरे छोटे बेटे को संभालना मुश्किल होता जा रहा है बचपन में मैं अपने पापा से कितना डरता था?

40 वर्ष : मेरे पापा ने मुझे कितने अनुशासन से पाला था आजकल के लड़कों में कोई अनुशासन और शिष्टाचार ही नहीं है।

50 वर्ष : मुझे आश्चर्य होता है मेरे पापा ने कितनी मुश्किलें झेलकर हम भाई-बहनों को बड़ा किया आजकल तो एक संतान को बड़ा करने में ही दम निकल जाता है।

55 वर्ष : मेरे पापा कितनी दूरदृष्टि वाले थे, उन्होंने हम सभी भाई-बहनों के लिए कितना व्यवस्थित आयोजन किया था, आज वृद्धावस्था में भी वह संयमपूर्वक जीवन जी सकते हैं।

60 वर्ष : मेरे पापा महान थे वह जिन्दा रहे तब तक हम सभी का पूरा ख्याल रखा, सच तो यह है कि पापा को अच्छी तरह समझने में पूरे 60 साल लग गए।

भूमिका पाटील

कक्षा - बीसीए, तृतीय

पापा आ जाओ

देखो आपकी गुड़िया बुला रही है।

आ जाओ ना पापा

कोई मुझसे प्यार नहीं करता

आकर लाड लड़ाओ ना पापा

देखो कितनी अकेली हूँ मैं, आकर

गले लगाओं ना पापा

बिना आपके कुछ नहीं भाता,

आकार मुझे खिलाओं ना पापा।

देखो मैं रूठी हूँ आपसे

आकर मुझे मनाओ ना पापा।

देखो माँ कितनी रोती है।

आकर चुप कराओ ना पापा।

ऐसे क्यों रूठें हो हमसे,

एक बार आ जाओ ना पापा।

“मेरी आंखों में आपकी यादों की नमी है।

जिंदगी चाहें कितनी भी अच्छी हो

मेरी, लेकिन पापा इसमें आपकी ही कमी है।”

Will always Miss You Papa



श्रद्धा सोनी

बी.कॉम., तृतीय वर्ष

वो है मेरे पापा



मेरी हर छोटी- छोटी खुशियों
को बड़ा करने वाले मेरे पापा।
मुझे इस दुनिया में लाया, चलना
सिखाया, कांधो पर बैठा कर
दुनिया दिखाया, वो है मेरे पापा
खुद भुखा रहकर, मुझे भुख
ना है बोलकर, अपना
निवाला खिलाया,
वो है मेरे पापा।

मतलब की दुनिया में, बिना मतलब
इतना ज्यादा प्रेम दिया,
वो है मेरे पापा।
बिना बताए मेरी बात जान जाए,
और मेरी हर बात मान जाए,
वो है मेरे पापा।

मेरी पहचान आपसे पापा,
क्या कहूँ मेरे लिए आप क्या हो,
रहने को है पैरो के नीचे जमीन,
पर मेरे लिए तो आसमान
है मेरे पापा।

आपके लिए तो शब्द भी कम
पड़ जाए, क्योंकि मेरी
पहचान शान वो है मेरे पापा।

जीवन की हर खुशियों से,
पापा आपने मिलाया हमको,
आँसू अपने गिरा के,
खुद हँसाया हमको,
वो है मेरे पापा।

जिससे सब कुछ पाया है
जिसने सब कुछ सिखलाया है
जिन्होंने हर पल मेरा साथ
निभाया है, वो है मेरे पापा।

नौरीन नाज़
कक्षा -बी कॉम तृतीय

मेरे पापा



हम सब भाई -बहनों की साहस,
हमारी इज्जत,
हमारा सम्मान है, हमारे पापा।
हमारी ताकत, हमारी पूंजी,
हमारी पहचान है, हमारे पापा।
घर के एक-एक ईंट में शामिल
उनका खून-पसीना।
सारे घर की रौनक उनसे,
सारे घर की शान है,
हमारे पापा।

हम सब को हिम्मत देने वाले,
हमारे अभिमान है,
हमारे पापा।
सारे रिश्ते उनके दम से,
सारी बातें उनसे हैं।
सारे घर के दिल की धड़कन,
सारे घर की जान है,
हमारे पापा।
शायद ईश्वर ने देकर भेजा फल यें,
अच्छे कर्मों का।
परमेश्वर की रहमत का वरदान है,
हमारे पापा।

In the darkest days, when I feel
inadequate, unloved and unworthy,
I remember whose daughter I am,
and I straighten my crown. You are
always in my prayers, dad. I hope
you will be happy in heaven.

Mrs. Renu Gideon



अपनो की जंग



मुझे सोच नहीं ये क्या हो रहा है
मुझे फर्क नहीं पड़ता
की हिन्दु लड़ रहा है।
मुझे फर्क नहीं पड़ता है
मुसलमान लड़ रहा है।
मुझे सोच इस बात की है,
हिन्दुस्तान लड़ रहा है।

आज की लड़ाई पूरे भविष्य पर प्रभाव डालेगी,
हिन्दु मुस्लिम की लड़ाई पूरे हिन्दुस्तान पर प्रभाव डालेगी।
ये छोटे नन्हे मुन्ने बच्चे जो धर्म जाति से
दूर हट कर सिर्फ दोस्ती का हाथ बढ़ाते हैं।
जिन्हे पता नहीं है ये भेदभाव की बेतूकी बाते
कल इन्ही के बीच धर्म दरार डालेगी।
सीमा पर खड़े जवान औरों से लड़ रहे हैं।
और हम हिन्दु मुस्लिम करके खुद में ही मर रहे हैं।
वो खड़े हैं वहा हमें गैरो से बचाने को,
और हम यहा अपने आपस में मर रहे हैं।
मुझे सोच नहीं की ये क्या हो रहा है।
मुझे फर्क नहीं पड़ता की हिन्दु लड़ रहा है।
मुझे फर्क नहीं पड़ता की मुसलमान लड़ रहा है।
मुझे सोच इस बात की है की हिन्दुस्तान लड़ रहा है।

मंजू धनकर
बीसीए तृतीय

अलविदा कहना पड़ रहा



मेरे यारो ये साथ का पल
अब एक दास्तां में बदल रहा
आगया वो मोड़ जिसमें अलविदा
कहना पड़ रहा,
अलविदा कहना पड़ रहा

क्लास और कैटीन वाली कहानी होगी खत्म
अब अलग होंगी मंजिले और अलग होगा रास्ता
आ गया वो मोड़ जिसमें अलविदा कहना पड़ रहा,
अलविदा कहना पड़ रहा
बच्चे ही थे, न जब आये थे,
ये पल भी कैसे ढल गये
हाथ में डिग्री मिली और हम सब सयाने हो गये
एक पल में अरसा गुजरने का ये दौर भी अब थम रहा
आ गया वो मोड़ जिसमें अलविदा कहना पड़ रहा,
अलविदा कहना पड़ रहा
मेरे दोस्तो ठीक से देख लो, कही कुछ छूटा न हो
कही तुम्हारी वजह से कोई दिल रूठा न हो
भूलकर सब रंजिशे, गले मिल लो,
फिर से मिलने का वादा कर लो
क्योंकि जा रहा है वक्त जो , वो दोबारा आने से रहा
दिल थाम आँखे पोछकर अलविदा कहना पड़ रहा
मेरे यारों ये साथ का पल अब एक दास्तां में बदल रहा
आ गया वो मोड़ जिसमें अलविदा कहना पड़ रहा
अलविदा कहना पड़ रहा

काशिफा परवीन
बी.कॉम. तृतीय



बचपन की यादें

बचपन



हमें अक्सर याद आता है
वो गुजरा जमाना
वो पिता जी के साथ बैठ साईकल पर
पहले दिन स्कूल को जाना।
गजब था अध्यापको का वो दाए हाथ
से बांए कान को पकड़वा कर,
हमारी उम्र का अंदाजा लगाना

हमे अक्सर याद आता है तो गुजरा जमाना
एक रूपया मिलने पर, वो सौ तरह के सपने सजाना
फिर दुकानदार को ये भी दे-दो वो भी दे -दो कर कहकर
खूब सताना।

छुटी के दिन माँ जरा देर से जगाना, फिर खुद ही पहले
जाग दोस्तो के साथ मिल छुक-छुक कर रेल तो कभी
साईकल के टायरो से दौड़ लगाना।

हमे अक्सर याद आता है वो गुजरा जमाना
कुछ पसंद का न मिलने पर हमारा वो रूठ जाना
फिर पिता जी के डाँटने पर वो माँ का प्यार जताना,
घर के आँगन में मिट्टी से सपनो के महल बनाना
कभी कागज की कश्ती तो कभी बना जहाज कागज का
फुर्र -फुर्र कर उड़ाना।

कहाँ मुमकिन है उन सभी बातों को लिख पाना,
कहाँ मुमकिन है उन दौर से फिर से गुजर जाना,
कहाँ मुमकिन है उस सच्ची हँसी को फिर हँस पाना।

एकता धीवर

कक्षा - बी.कॉम.तृतीय



एक बचपन का जमाना था
जिसमें खुशियों का खजाना था
चाहत चाँद को पाने की थी
पर दिल तितली का दिवाना था
खबर ना थी कुछ सुबह की
ना शाम का ठिकाना था,
थक कर आना स्कूल से
पर खेलने भी जाना था
माँ की कहानी थी
परियो का फसाना था
बारिश में कागज की नात थी
हर मौसम सुहाना था

बात अगर हम बचपन की करें तो, बचपन सबका शरारती होता
है। सब के पास अपने बचपन की यादें होती है।

मैं अपने बचपन की बात करूँ तो मैं बहुत शरारती थी
सबसे लड़ना और मारना तंग करना। एक बार मैंने स्कूल में
अपने साथ वाले लड़की का पूरा खाना खा लिया और उसे
बताया भी नहीं जब उसे पता चला वह बहुत रोई और उसने
मैडम से शिकायत लगा दी। मैडम से स्कूल में मार पड़ी। यह
बात घर तक पहुँच गई। घर पर भी डाँट पड़ी। जब धीरे-धीरे
बड़े होकर समझ आने लगा। शरारतों में बचपन अच्छी लगती
है भले ही डाट या मार पड़ी थी पर वो दिन अच्छे हुआ करते थे।

शुभांगी मिश्रा

बी.कॉम. तृतीय





सामान्य ज्ञान

1. पृथ्वी की तुलना में सूर्य 109 गुना बड़ा है।
2. कंगारू रेट जानवर कभी पानी नहीं पीता
3. गुब्बारे में हाइड्रोजन गैस भरी जाती है।
4. सूर्य का प्रकाश जल के अंदर 400 मीटर तक जा सकता है।
5. गरनाई मछली जमीन पर चलती है, हवा में उड़ती है, तथा पानी में तैरती है।
6. मनुष्य की शरीर की सबसे बड़ी हड्डी फीमर है जो जाँघ की हड्डी होती है।
7. उड़ने वाले मेंढक को राका फोरस कहते हैं।
8. कार्बन मोनोऑक्साइड से इंसान 12 मिनट में मर सकता है।
9. ऑक्टोपस के उदिल होते हैं।
10. हाथी में गर्भकाल का समय 22 महीनों का होता है।
11. शहद ऐसा खाद्य पदार्थ है जो 1000 वर्षों तक खराब नहीं होता।
12. शरीर की त्वचा लगभग 900 बार बदलती है।
13. सूर्य का आकार धरती के आकार से 13 गुना ज्यादा बड़ा होता है।
14. हमारा शरीर में मौजूद ऑक्सीजन का केवल 20% उपयोग हमारा दिमाग करता है।
15. सूर्य का प्रकाश को धरती तक पहुँचने में 8 मिनट 40 सेकंड का समय लगता है।
16. व्यक्ति के पेट में बैक्टीरिया की 67 अलग-अलग प्रजातियां होती हैं।
17. मानव मस्तिष्क में इतनी तंत्रिका कोशिकाएँ हैं जिनहें गिनने में लगभग 3,000 वर्ष लग सकते हैं।
18. आँख कॉर्निया ऐसा भाग है जहाँ तक रक्त नहीं पहुँचता है।
19. मानव शरीर का 99% कैल्शियम दाँतों में होता है।

1. दुनिया का सबसे लंबा सांप दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला एनाकोंडा है।
2. अमेजन वर्षा वन से पृथ्वी का 20% oxygen प्राप्त होता है।
3. दवाई लेने के बाद अंगूर खाने से आपकी मौत भी हो सकती है।
4. 1 साल में इंसान का दिल 4 करोड़ 20 लाख से ज्यादा बार धड़कता है।
5. हमारी आँख 576 मेगा पिक्सल की होती है।
6. मनुष्य के शरीर में इतनी चीनी है जिससे 10 कप चाय मीठी हो सकती है।
7. सबसे बड़ा डायनासोर सिस्मोसॉरस था जो 100 फीट से अधिक लंबा व 80 टन का था।
8. इंसान का दिमाग शरीर का सबसे ज्यादा चर्बी वाला होता है जिसमें 60% चर्बी होता है।
9. कुत्ते की गंध सूंघने की क्षमता इंसानों की तुलना में 1000 गुना ज्यादा होती है।
10. एक शरीर की कीमत 319 करोड़ रुपये हो सकती है।
11. यदि शरीर में मौजूद DNA को खोल दिया जाये तो लंबाई 10 अरब मील होगी।
12. इंसान का DNA गेरिल्ला के DNA से 90% मिलता है।
13. शरीर की सबसे ज्यादा ताकतवर मांसपेशी जीभ है।
14. नाभि शरीर का सबसे गंदा भाग होता है। इसमें 1458 तरह के बैक्टीरिया पाये जाते हैं।
15. छीकते वक्त दिल की धड़कन 1 मिली, सेकेंड के लिये रूक जाती है।
16. यदि पेट का एसिड आपकी त्वचा पर गिर जाये तो उसमें गठ हो जायेगा।
17. इंसान के जाँघ की हड्डियाँ क्रांकीट से भी मजबूत होती हैं।
18. दुनिया के 85 पौधे समुद्र के अंदर होते हैं।
19. इंसान की सबसे छोटी हड्डी स्टेपीज़ (कान में) होती है।
20. जिराफ अपनी 21 इंच लंबी जीभ से कान साफ कर सकता है।



लीना यादव

कक्षा-बी.एस.सी, तृतीय वर्ष

बाबूजी (दादाजी)

मेरे सपने



रोते हुए आप हमें नहीं देख पाते थे
बाबूजी,
आज कैसे आप हमें रूला कर छोड़ गए
रखकर हमारे सर पर हाथ,
आप कैसे हमें अकेला छोड़ गए।

रामायण, महाभारत आप यूँ ही सुना दिया करते थे
हमें क्या पता था आप जीवन की सीख हमें
कहानियों में ही बता दिया करते थे।

डॉट जब पड़ती थी आप मुझे बचा लिया करते थे ,
सबको चुप करा कर मुझे सही बता दिया करते थे।

रोते हुए आप मुझे नहीं देख पाते थे,
जो मुझे रूलाए आप उसे डॉट लगाते थे।

आज फिर से सबको डॉट लगाओ ना बाबूजी,
एक बार फिर से वापस आओ ना बाबूजी ।

आप के जाने के बाद हम ना रोए इसलिए,
जाते जाते भी आप मुस्कुरा कर चले गए।

ऐसा थोड़ी ना होता है बाबूजी ,
आप बिना कुछ बताए,
बिना कुछ कहे यूँही हमारा साथ छोड़ गए।

रोते हुए आप हमें नहीं देख पाते थे बाबूजी
आज कैसे आप हमें रूला कर छोड़ गए।



बरखा ठाकुर
बी.कॉम., तृतीय वर्ष



हैं इन आँखों में ख्वाहिशों का समन्दर
ये मेरे सपने हैं, बसे हैं मेरे अन्दर ।
इन्हें पूरा करने में भी लगेगा मेरा जोर
यही तो घूम रहे हैं मेरे चारों ओर ।
धीरे चल रही मैं दे रही
खुद को हिदायतें
नहीं है मुझे किसी और से
कोई शिकायतें ।
कभी थक जाऊँ तो शायद दो पल बैठूँ ,
इतने छोटे नहीं मेरे लिए ये जो मैं इन से रूठूँ ।
अभी बहुत चाह बाकी है इन्हें पाने की,
चाहे कितना जोर लगाए ये मुझे आजमाने में।
ये मेरे सपने हैं मुझे इनके काबिल बनना है।
जो भी हो जाए इन्हे मुझे हासिल करना है।

पूर्वा शुक्ला
बीसीए प्रथम वर्ष





उड़ान



पंख की आवश्यकता है मुझे
मैं बहुत ऊँचा उड़ दिखलाऊँगी।

मुझे शिक्षा तो दिलवाओ माँ-पापा
आपको गर्व महसूस करवाऊँगी।

जो बन गयी मैं चिकित्सक
लोगो की सेवा में लग जाऊँगी।

पंख की आवश्यकता है मुझे
मैं बहुत ऊँचा उड़ दिखलाऊँगी।

राजनीति पर जो उतर आऊ
भ्रष्टाचार मैं दूर करवाऊँगी।

बन गयी शिक्षिका जो
अच्छी राह मैं दिखलाऊँगी।

सरहद में मैं अड़ जाऊँगी।
दुश्मन को मार गिराऊँगी।

पंख की आवश्यकता है मुझे
मैं बहुत ऊँचा उड़ दिखलाऊँगी।

जो सोचे लड़कियाँ कुछ भी नहीं
मैं बहुत कुछ कर दिखलाऊँगी।

पंख जो मिल गये सपने को
मैं भारत की बेटी कहलाऊँगी।

हौसले को सराहो मेरे मैं आगे बढ़ दिखलाऊँगी
पंख की आवश्यकता है मुझे मैं ऊँचा उड़ दिखलाऊँगी।

सिमरन बघेल
वाणिज्य स्नातक
(अंतिम वर्ष)

हिन्दी भाषा

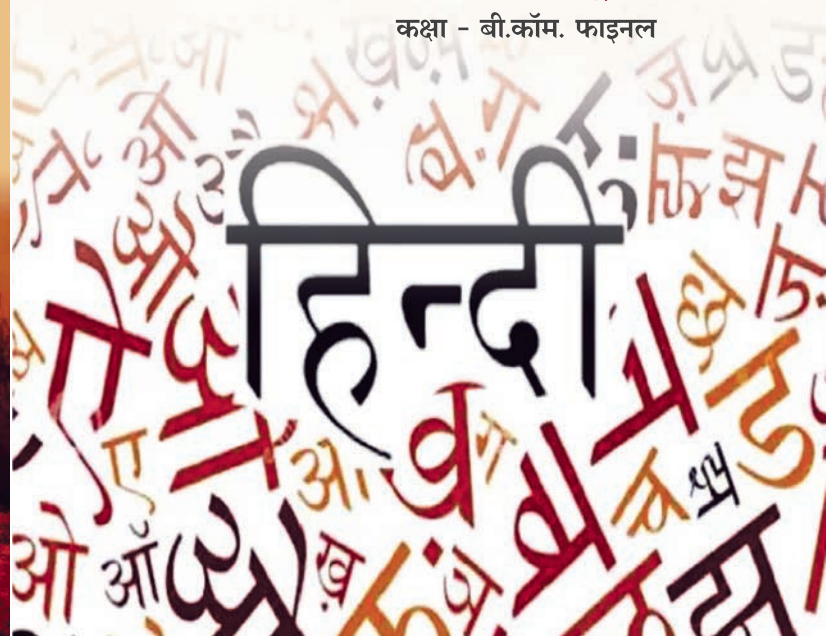


प्रकृति की पहली ध्वनि ओम है
मेरी हिन्दी भाषा भी,
इसी ओम की देन है।
देवनागरी लिपि है इसकी,
देवो की कलम से उपजी।
बांगला, गुजराती, भोजपुरी डोगरी,
पंजाबी और कई।

हिन्दी ही है इन सब की जननी।
प्रकृति की हर इक चीज अपने मे सम्पूर्ण है,
मेरी हिन्दी भाषा भी अपने में सम्पूर्ण है।
जो बोलते हैं वही लिखते हैं,
मन के भाव सही उभरते हैं।
हिन्दी भाषा ही तुम्हे, प्रकृति के समीप ले जाएगी।
मन की शुद्धि तन की शुद्धि, सहायक यह बन जाएगा।
कुछ हवा चली है ऐसी यहाँ,
कहते हैं इस मातृभाषा को बदल डालो।
बदल सको क्या तुम अपनी माता को?
मातृभाषा का क्यो बदलाव करो,
देवो की भाषा का क्यो तुम तिरस्कार करो।
बदल सको तो तुम अपनी सोच को बदल डालो
हर इक भाषा का तुम दिल से सम्मान करो
हिन्द की जड़ो पर आओ हम गर्व करें
हिन्दी भाषा पर आओ हम गर्व करें।

जयश्री साहू

कक्षा - बी.कॉम. फाइनल



मम् नाम ऋचा अस्ति ।



थोड़ा अजीब लग रहा होगा ना, संस्कृत में परिचय देखकर ? मुझे भी अजीब ही लगा जब एक दिन अचानक मेरी नज़र मेरी 10वीं बोर्ड की अंकसूची पर पड़ी , जिसमें मुझे संस्कृत विषय में

100 में से 98 अंक मिले थे। तभी मुझे यह भी अहसास हुआ कि मुझे हिंदी, छत्तीसगढ़ी और अंग्रेजी के साथ-साथ चौथी भाषा संस्कृत का भी तो ज्ञान है। उस दिन मेरा संस्कृत भाषा के प्रति आकर्षण इतना बढ़ गया कि मैंने इंटरनेट से संस्कृत संबंधित जानकारियाँ निकाल कर पढ़ने लगी। संस्कृत की अपार विशेषताओं में से कुछ महत्वपूर्ण विशेषताओं पर मैं प्रकाश डालना चाहती हूँ:-

1. संस्कृत को देवभाषा तथा वेदभाषा मानी गयी है।
2. संस्कृत पूर्णतः व्याकरण सम्मत भाषा है।
3. सभी भाषाओं में केवल एकवचन और बहुवचन होते हैं, लेकिन संस्कृत भाषा में द्विवचन अतिरिक्त है।
4. संस्कृत के उच्चारण से जीह्व (मुँह) की सभी मांसपेशियाँ सक्रिय होती है, जिससे हकलाने की आदत तक दूर हो सकती है।
5. कुछ शोधों के अनुसार संस्कृत पढ़ने से स्मरण शक्ति भी बढ़ती है।
6. संस्कृत को कम्प्यूटर के लिए सर्व उपयुक्त भाषा मानी जाती है।

इस प्रकार अनेकों विशिष्टताओं को खुद में समेटे होने के बावजूद भी 2011 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार भारत की 130 करोड़ की कुल जनसंख्या में से केवल 24,821 लोग

ही संस्कृत भाषा के ज्ञाता रह गए हैं।

यू तो संस्कृत भाषा के जनक महर्षि पाणिनि तथा संस्कृत महाकवि कालिदास की कई महान साहित्य रचनाएं हैं। परंतु सत्रहवीं शताब्दी के कवि वेंकटाध्वरि द्वारा रचित एक स्रोत "राघवयादवीयम्" बहुत ही अद्भुत रचना है।

संस्कृत की इस अद्भुत रचना को अनुलोम - विलोम काव्य भी कहा जाता है क्योंकि यदि इस काव्य के श्लोकों को सीधे क्रम में पढ़े तो यह श्रीरामकथा है परंतु उसी श्लोक को विपरीत क्रम में पढ़ने पर यह श्री कृष्णकथा है। पूरे ग्रंथ में केवल तीस श्लोक हैं, परंतु विपरीत क्रम के तीस श्लोकों को भी जोड़ने पर यह कुल साठ (60) श्लोकों का ग्रन्थ है।

राघव + यादव + इयम = राघवयादवीयम्

राम तथा कृष्ण के चरित गाथा।

उदाहरण के तौर पर ग्रन्थ का प्रथम श्लोक है:-

अनुलोम श्लोक :- वेदऽहं देवं तं श्रीतं रन्तारं कालं भ्रासायः।

रामो रामाधीराप्यागो लीलामारायोध्ये वासे ।। 9 ।।

अर्थ :- मैं उस भगवान श्रीराम के चरणों में प्रणाम करता हूँ जिनके हृदय में सीताजी रहती है तथा जिन्होंने अपनी पत्नी सीता के लिए सहयाद्रि की पहाड़ियों से होते हुए लंका जाकर रावण का वध किया तथा वनवास पूरा कर अयोध्या वापस लौटे।

विलोम श्लोक:- सेवाध्येयो रामालाली गोप्याराधी भारामोराः।

यस्साभालंकार तारं तं श्रीतं वन्देऽहं देवम् ।।

अर्थ :- मैं रूक्मिणी तथा गोपियों के पूज्य भगवान श्री कृष्ण के चरणों में प्रणाम करता हूँ जो सदा ही माँ लक्ष्मी के साथ विराजमान हैं तथा जिनकी शोभा समस्त रत्नों की शोभा को हर लेती है।

ऋचा साहू

कक्षा- बी.एस.सी., तृतीय वर्ष





अपने हाथ पर विश्वास



‘खुदी को कर बुलंद इतना
कि हर तकदीर से पहले
खुदा बंदे से ये पूछे
बता तेरी रजा क्या है ?

शायर की उपर्युक्त पंक्तियाँ स्वावलंबी मनुष्य के बारे में हैं जिनका आशय है कि स्वावलंबी या आत्मनिर्भर व्यक्तियों के सामने ईश्वर को भी झुकना पड़ता है। ऐसे व्यक्तियों का भाग्य लिखने से पहले ईश्वर को भी उनके पूछना पड़ता है - बता तेरी रजा (इच्छा) क्या है।

परमुखापेक्षी व्यक्ति न तो स्वयं उन्नति कर सकता है और न ही अपने समाज एवं राष्ट्र के किसी काम आ सकता है। स्वावलंबन का अर्थ है- अपना सहारा आप बनना, आत्मनिर्भर बनना। परमुखापेक्षी व्यक्ति सदैव दूसरों का मुँह देखता है।

परावलंबी तो हमेशा आश्रय देने वालों के अधीन बनकर रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति में तो उसका आत्मसम्मान जीवित रह पाता और न ही आत्म - विश्वास। वह दूसरों के हाथ की कठपुतली बनकर कुंठा, त्रास, यातना, पीड़ा, अपमान और उपेक्षा का जीवन जीने पर विवश हो जाता है। इसलिए परावलंबन को घेर पाप माना गया है।

स्वावलंबी होने का यह अर्थ नहीं कि मनुष्य के पास बड़े-बड़े ऊँचे - ऊँचे राजमहल हों। अपार धन-संपत्ति हो, ऐसा नहीं होने पर यदि मनुष्य के पास बड़ी - बड़ी ऊँचे - ऊँचे गतिविधियों पर अपना अधिकार नहीं तो उन सबका होना न होना बेकार है। स्वतंत्र तथा इच्छानुसार कार्य करके ही मनुष्य अपने साथ-साथ, आस-पास गली-मुहल्ले, समाज और पूरे देश का हित-साधन कर पाने में सफल हो पाया करता है। जिसे सच्चा सुख एवं आत्म संतोष कहा जाता है वह केवल आत्म-निर्भर व्यक्ति को ही प्राप्त हुआ करता है। इन्ही सब

तथ्यों का ध्यान रखते हुए भी कविवर मैथिलीशरण गुप्त ने ‘साकेत’ में एक पंक्ति कही है: ‘स्वावलंबन की एक झलक पर न्यौछावर कुबेर का कोष’ अर्थात् स्वावलंबन से भरे सामान्य स्तर पर जिए जाने वाले जीवन पर भी कुबेर का खजाना न्यौछावर किया जा सकता है।

अंग्रेजी में एक कहावत है “ God Help those who help themselves ” जो व्यक्ति स्वावलंबी नहीं होता, वे ही अपनी प्रत्येक असफलता के लिए भाग्य दोष रहते हैं। तुलसीदास जी ने ठीक ही कहा है - ‘दैव-दैव आलसी पुकारा’। स्वावलंबी मनुष्य सफलता या असफलता की परवाह किए बिना अनवरत प्रयासरत रहते हैं और बाधाओं, विघ्नों को चीरते हुए अपना मार्ग प्रशस्त करते जाते हैं किंकर्तव्य पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ते जाते हैं। पथ के शूल उनका वरण करती है। स्वावलंबन के बल पर ही शिवाजी ने थोड़े से सिपाहियों के साथ औरंगजेब की विशाल सेना को नाकों चने चबा दिए थे, एकलव्य ने गुरू द्रोणाचार्य द्वारा उपेक्षित किए जाने पर भी धनुर्विधा में अद्भूत कौशल प्राप्त किया था। नेपोलियन जैसा साधारण व्यक्ति एक महान सेनानायक बन पाया था। एक किसान तथा बढ़ई का पुत्र अब्राहम लिंकन अमेरिका का राष्ट्रपति बन पाया था। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है।

आज का व्यक्ति अधिक से अधिक धन और सुख के साधन तो चाहता है, पर दूसरों को लूट-खसोट और टाँग नीचे या पीछे खींचकर, अपने परिश्रम और स्वयं अपने आप पर विश्वास एवं निष्ठा रखकर नहीं। यही कारण है कि आज का व्यक्ति स्वतंत्र होकर भी परतंत्र और दुखी है। इस स्थिति से छुटकारे का मात्र एक ही उपाय है और वह है स्वावलंबी बनना अन्य कोई नहीं। दिनकर जी ने ठीक ही कहा है-

चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पिया रे।

योगियों नहीं विजयी से सदृश जिया रे।।

अक्षिता जोशी

बी. कॉम. द्वितीय वर्ष



शिक्षक



जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
माता-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे
वह मेरा पथ दर्शक है जो
मेरे मन को भाता
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर
मन में दबी रहे थे इच्छा
काश मैं उस जैसा बन पाता
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

नाम - प्रियंका निर्मलकर
कक्षा- बी.कॉम. तृतीय

शिक्षक



शिक्षक वह होते हैं जो अपनी ज्ञान
की ज्योति से हमें प्रकाशित करते हैं
और हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

मां किसी भी व्यक्ति की पहली
शिक्षक होती है जो उसे चलना,
बोलना जैसी मूलभूत आवश्यकताएं
सिखाती है।

शिक्षक के पेशे को सबसे अच्छे और आदर्श पेशे के रूप
में माना जाता है।

यह किसी के जीवन को बनाने में निस्वार्थ भाव से अपनी
सेवा देते हैं।

शिक्षा की ओर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को शिक्षक निभाते हैं।
शिक्षक बच्चों को उनके बचपन से ही नेतृत्व करते हैं और
उन्हे काबिल बनाते हैं।

वो हमें जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिया अपनाना
सिखाते हैं।

हमें सदैव अपने गुरु का आदर करना चाहिए।

सच्चे मायनो में गुरु का आदर तभी हो सकता है जब हम
उनके बताए गए मार्ग पर चलें।

नाम - जयश्री साहू
कक्षा- बी.कॉम.द्वितीय





कन्यादान



कितना प्रमाणिक था उसका दुःख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो,
लड़की अभी सयानी नहीं थी,
अभी इतनी भोली सरल थी,
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बोध नहीं आता था।

पाठिका यह धुंधले प्रकाश की,
कुछ तुको और कुछ लयबद्ध पक्तियों की
माँ ने कहा पानी में झाँककर अपने चेहरे
पर मत रीझना, आग रोटियाँ सेकने के लिए है
जलने के लिए नहीं, वस्त्र और आभूषण
शाब्दिक भ्रमों की तरह बंधन है, स्त्री जीवन के।
माँ ने कहा लड़की हो ना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

प्रियंका तिवारी

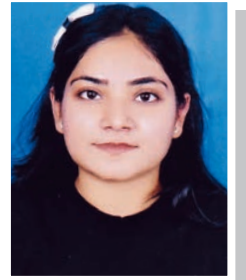
कक्षा - पीजीडीसीए, प्रथमवर्ष

जिंदगी

हर गम में एक खुशी का एक एहसास होता है
हर ठोकर के बाद संभलने का एहसास होता है
जिंदगी को साँसों की जरूरत है।
क्योंकि मौत के बाद जिंदगी का आगाज होता है।
पतझड़ से न करो शोक
हर पतझड़के पीछे बसंती बहार होती है।
खामोश हों हर लम्हा फिर भी,
अँखियों से चुपके-चुपके बात होती है।
दुःख से भी कभी परहेज न करना,
क्योंकि हर सुबह के बाद रात होती है।
जिन्दगी में खुशियों के साथ - साथ
गमों की सौगात होती है।
जिन्दगी को साँसों की जरूरत है,
क्योंकि मौत के बाद जिन्दगी का आगाज होता है।
आशाओं का दामन कभी छोड़ना नहीं,
अपनों के विश्वास को कभी तोड़ना नहीं,
जब सामने नजर आए अंधेरा तो,
उजाले की आस कभी छोड़ना नहीं।।

Computer Knowledge [Short Cut Keys]

1. Window + R = रन डायलॉग बॉक्स
2. Window + U = यूटिलिटी मैनेजर
3. END = एक्टिव विंडो का बाटम
4. HOME = एक्टिव विंडो का टॉप
5. Numlock + Numeric Key pad = कोलेप्स सेलेक्टेड फोल्डर
6. Left Arrow = कोलेप्स सेलेफशन
7. Right Arrow = डिस्पले फोलेप्स
8. Control +C = कॉपी
9. Control + X = कट
10. Control +V = पेस्ट
11. Alt + Enter = सेलेक्टेड आयटम की प्रापर्टी
12. Alt+ Spacebar= एक्टिव विंडो का शार्टकट मेनू
13. Control+ F4 = डॉक्यूमेंट विंडो को बंद करता है
14. Window + F = सर्च
15. Control + Window +F = सर्च कम्प्यूटर



छाया साहू

कक्षा - बी.एससी. तृतीय वर्ष

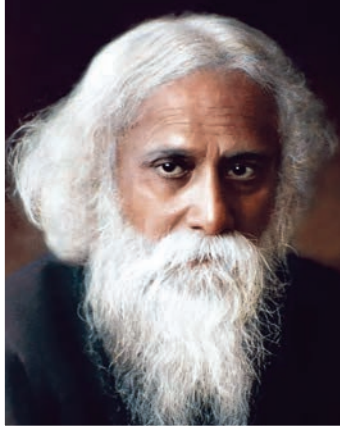
भारत के राष्ट्रगान का अर्थ



रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा 'जन गण मन अधिनायक' को पहले बंगाली में लिखा गया था, और इसका हिन्दी संस्करण संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी 1950 को स्वीकार किया गया।

राष्ट्रगान का अर्थ

इस प्रकार है :- सभी लोगों के मस्तिष्क के शासक, कला तुम हो, भारत की किस्मत बनाने वाले (ये पंक्ति भारत के नागरिकों को समर्पित है, क्योंकि लोकतंत्र में नागरिक ही वास्तविक स्वामी होता है) (अगली पंक्तिया भारत देश की भूमि को नमन करते हुए है) तुम्हारा नाम पंजाब, सिंध, गुजरात और मराठों के दिलों के साथ ही बंगाल, ओडिसा, और द्रविड़ों को भी उत्तेजित करता है, हमारे भारत का राष्ट्रगान भारत का नक्शा है उत्तरी पर्वतीय प्रदेश पंजाब, पाकिस्तान का राज्य भारत से जुड़ा हुआ सिंध, भारत का



राज्य गुजरात, पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र, भारत द्रविड़ कहलाता है, प्राचीन काल में ओडिशा को उत्कलद कहा जाता था , भारत का पूर्वी भाग बंगाल, भारतीय उत्तर प्रदेश राज्य विन्ध्याचल, भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश की दो प्रमुख नदियाँ गंगा और यमुना यह सब मिलकर (पंजाब सिंध गुजरात मराठा द्राविड़ उत्कल बंगा विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा) भारतीय समुद्र की लहरों द्वारा गुणगान किया जाता है वो तुम्हारे आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं और तुम्हारी प्रशंसा के गीत है। (अगली पंक्तिया देश के सैनिक और किसानों को समर्पित है) तुम ही समस्त प्राणियों को सुरक्षा, एवं मंगल जीवन प्रदान करने वाले हो, और तुम ही भारत के वास्तविक भाग्य विधाता हो जय हो जय हो तुम्हारी। आप सभी से मिलकर ये राष्ट्र बना है अतः आप सबकी जय जय जय हे।

आस्था साहू
बी.एससी तृतीय वर्ष

जीवन में धीरज का होना

हम सभी जानते हैं कि हमारे जीवन में धीरज का होना कितना जरूरी है। पर एक वक्त ऐसा आता है कि धीरज का जो बाँध है वो टूट जाता है।

परन्तु इस बाँध को टूटने से हम तब ही बचा सकते हैं जब हमारा दीमाग एकाग्र हो। हम में उन सभी परिस्थितियों का सामना करने कि हिम्मत हो। तो ये सब तभी हो सकता है जब हमारे पास धीरज हो अगर जीवन में धीरज नहीं है तो हमारा पूरा जीवन अस्त-व्यस्त है, चाहे वो कितनी भी दर्दनाक परिस्थिति हो या कितनी भी अच्छी परिस्थिति हो। हमारे बड़े बुजुर्ग कहते हैं, कि "जल्दी का काम शैतान का काम होता है" हमेशा जो भी करो उसको बड़े आराम से बड़े शालीनता से करना चाहिए। अगर आप थोड़ा सा भी धीरज नहीं रखे और जल्दबाजी में काम करे, तो फिर वो काम आप का कभी सफल नहीं होगा। अगर हो भी गया तो वो चन्द घण्टो या

महीनों के लिए ही होता है।

आज ऐसा हो गया है हम सभी युवाओं में धीरज शब्द का "ध" भी मौजूद नहीं है। हमें अगर कुछ अच्छा मिल रहा है तो उसके पीछे ऐसे दौड़ेगे जैसे हीरा मिल गया हो इसलिए ऐसे चीजों का नतीजा हमारे साथ गलत ही निकलता है।

क्योंकि आखिरी में हमें पता चलता है कि वो हीरा नहीं पन्ना है एक कागज का पन्ना भी काम का होगा वो उसने भी गया बीता है।

जो भी काम करो जीवन में धीरज रखो और अपने बड़ों से पूछ कर करो





Nature Such Beauty



See her standing out there
Not, noticing her is so rare
She's out there ready to share
Her light and beauty so fair.

Her pretty face no one can mar
You can't help but notice her
A quite unique, golden star

Sparkling, shimmering, glimmering from afar.

When she moves across the sky
You've got to shout "Oh My!"
Her majestic movement makes you sigh
And ask why she doesn't draw nigh.

Darkness tries but to no avail
In her kingdom, she must prevail
Darkness encompasses her like a veil
And then it's sent out of her trail.

She's illuminated the whole night
You can't blink with such a sight
You'll be mesmerized by her beautiful light
If you engage in a fight.

Oh lovely charming moon
I had thought you only shone in June
But now I long for the passing of noon
Cup then, I know I'll see you soon.

Ankita Verma
B.Sc-III (PCM)

A Delicious Affair With Fast Food



Fast food has come to be known
as junk food in many people's
minds,
but is fast food really junk food?
Yes fast food is typically
considered junk food by many.

First, junk food is often high
in calories and sugar, which can
lead to weight gain and other
health problems.

Second, junk food can contain
harmful ingredients such as
pesticides and chemical which can
damage the body.

Third, junk food often contains
little or no fiber, which can lead
to constipation and other health problems.

Finally, junk food is often low
in nutrients such as calcium which can
lead to deficiency in the body.

Many junk food are made with
whole grains, fruits and vegetables,
which can provide you with
important nutrients. And some
fast foods, like salads, are very
filling so, while fast food may
be considered junk by many people,
it's still an option worth considering
if you're looking for a quick
and easy meal. If you're anything
like me, fast food is one of your
on-the-go option, when you don't have
time to cook. But fast food isn't
always the best option for your health.
So be cautious, but you can enjoy junk food
once in a while – just like me!

Soumya Sahu
B.Sc- III year (PCM)





My Suicide Note



Hi humans,
This is my suicide note; I am writing this note with a heart full of sorrow and eyes filled with tears.

Being a tree I was born and brought up in the forest where I spent my time enjoying the beauty of the nature and the

essence of the soil. I enjoyed the warm sunlight and the cool natural breeze every day.

As I grew up gradually, many living creatures such as small birds and insects started taking shelter in my shade. I am glad I could offer shelter to many such creatures. They used to play on me, love me and our relationship was more beautiful than any other best relations in the world.

My life was so beautiful and joyful but like many stories, my story also ended tragically. A few days ago, a group of real estate developers entered the forest and began to uproot my friends' one after another.

As I lived in the middle of the forest, my turn was yet to come. The sight of the birds and all creatures running helter-skelter to save their lives stole the forest of its glory. It was heartbreaking to see the once lush forest being crushed to become a barren land!



Finally my turn will be coming tomorrow when I will be uprooted. But before that I want to make an appeal to all the humans, which is my main intention in writing this suicide note.

Please help us, save us!! We demand nothing from you, but just a little bit of security.

We are the reason for the rainfall, the water that you get, we are responsible for the rich resources, and we are here to serve you without any expectation.

What would happen if there were no trees left at all?

After you – the great humans have uprooted each and every one of us.

No rains, No water, No shelter for animals, no cool breeze, no pristine surrounding, only barren land, and all types of pollution ultimately leading to drastic ecological imbalances.

If not for yourself, at least think of your future generation what would be left for them? Can you provide them a pollution free atmosphere? Will they be able to live happily?

I am writing this suicide note not for any sympathy, but to create awareness amongst people. Before my turn comes tomorrow, to get killed and uprooted, to bear the agony of humans killing their own future, I am going to end my life and not wait to die at the hand of the ungrateful humans.

"Please at least wake up now dear humans!"

The unconditional giver - a TREE

Diksha Patel
B. Sc - II (CS)



The Power Of

The Work Up Call To Will Power

Affirmations For Strengthening The Mind



Determination is a secret and an essential ingredient of life which makes it successful. On our spiritual journey, no matter how enthusiastic we are or how clear my aim is, without determination I will give up sooner or later. But at the same time, we have to be cautious that

determination does not take the form of stubbornness. It is do, then observing the mind as a detached observed while practicing Raj yoga can help. Let go of resistance. Do not oppose anyone or anything due to ego. Connect to God's light. Quietly listen for the most compassionate way to deal with the situation.

The quality of our thoughts affects the quality of our relations, our words and our actions. The mind has been ruling us long enough! One way to take charge and regain lovingly over the mind is to practice affirmations. Affirmations are promises we make to ourselves that are helpful to strengthen the mind in order to break negative habits or weak thoughts created as a result of conflict and mistaken attitudes.

The following affirmations can be practiced:

1. Today I will only see the good in others and not about any negativity.
2. I will see others in the way I would like them to see me.
3. From now on I will not judge other.
4. I will always speak peacefully, slowly and softly.
5. I will stay calm whatsoever takes places and I will not react.

Think or better say aloud the affirmation with feelings at least five times a day, believing in them completely. Make sure that you do not say it in monotonous or impersonal voice. When we listen to something repeatedly, we begin to believe in it, Advertisers and song writers create a phrase or a slogan, and repeat it over and over again in the media until finally, people believe in them completely.

We enjoy a lot of contentment by thinking pure thoughts. Make positive affirmations a part of your daily emotional diet. Be determined to add this emotional diet to your daily menu.

Harshita Vishwakarma
B.Com – I (Plain)

College Life A Journey of Self-Discovery



The daily activities of college based lifestyle can be challenging for many students to balance. A typical college student like me can be putting up to roughly 280 hours of work in a week. And when one puts so much time into the routine college schedule, it's very obvious that they can be

stressed. Apart from this, if one is having a part time job along with this hectic, stressful college lifestyle, it becomes really difficult to balance studies and work. Add to this about giving time to family and relations and the responsibilities that come with it. We can definitely not ignore it and have to fulfill our duties to our families with complete sincerity and devotion.

A college student has to struggle to manage so many things together and on top of it also study well and get good results. What I have noticed is that a student can have a variety of different small or part time jobs just like anyone else but working at a grocery store or super market can sometimes be easier and has its own advantages. This gives the students to work at the super market comfortably after their college hours and they can put the extra time they have at hand into fruitful work and at the same time earn some good money also. The mantra here for all college students is that to enjoy their college life completely and become a good juggler, by being able to manage studies, part time work, family time and self time and come out with flying colours and get good results.

Enjoy this lovely phase of being a college student!

Preeti Singh Tomar
B.Sc – II (Bio)

HOW YOUR FAILURE SHAPES YOUR LIFE TOWARDS SUCCESS



What is the importance of failure in life ? " It you ve never failed you've never lived" it how the saying goes. failure is probably one of the aspects of life most people are age aid of. but the truth is everyone tas. failed and every one will fail agin. We some time forget that

all successful people have failed, but they didn't stop after their failure.They stood up and tried again, time after time we tend to think that people who are successfull were just lucky, it just geld into their laps or they just had the right connection.

We place ourselves in a negative mind set about failure, remember your failure, would you're taking any of then back ? what did you achieve and understand from your failure ?

When we fail relearn, mature and become better and cool person. We gain new perspectives on the planet around us. failure forces people out of this temperature and challenges then to form geieat leaps. This is often the importance of failure ! failure is that the stepping stone to success.

Failure has changed all of our lives from adolescence to adulthood, failure has been the ever present, master teacher altogether things. If we always feared failure, we might be walking on eggshells and living a subpart, mediocre life.

It's also a life resume builder of experience

for the longer term. By learning from failure, we will know our weaknesses and operate inside our zones of strength.

Faiture sets the stage for us to succeed in our goals, we will we failure as a teaching tool to enhance.

Skills like problem solving leadership, communication, deciding, learning and so on. Consider failure like this : every decision we make features a 50% chance of success and a 100% guarantee to show you something new with in the process.

People who remember failed in work and work hard to achieve what they want. That's the motive why we say that failure improves your life permanent you don't have to take failure as something that is not change able.

Take some time, understand the failure, paths to change your life : might be a change of place, a change in the path you work, or might be you completely need time of.

Learning from failure benefits you become a better person as failure educate you on what Not to do. Take failure as a person in your life.

Some one once said "Life is full of screw-ups you' re supposed to fail sometime; it's a required part of man progress." So do not be afraid of failure, it is a part of your road to sucess.

Meenakshi Jain

B.Com. IIInd year

"VIRTUAL TEACHING CANNOT REPLACE CLASSROOM TEACHING



"It is a supplement to classroom teaching and not a substitute to physical teaching. The virtual classroom cannot replace the tradition classroom because its very essence is that it is not completely real."

Through the pandemic, educators across the country have stood up as true leaders.

Tough times never last but tough people do! And they don't come tougher than educational institutions! The educational institutions have stepped up the ladder like never before-fighting all odds, working at all hours and learning new skills and technology on the go as they honour their

commitments to the students and parents, both alike.

Virtual teaching becomes the panacea to combat all the educational issues. School managements are the umbrella for facilitating learning and teaching, thus they come under the limelight for paving the way for digital transformation.

Teaching on the internet is teaching in virtual reality, but not reality. The teachers are real, students are real, the material is real, the atmosphere however is not real and that is why virtual teaching cannot replace classroom teaching.

Ritika Yadav

B.Com – I (Plain)



As within so without .



The outer space is nothing but the reflection of our own inner space. The treasures such as beauty, truth, peace, happiness etc which we seek, are not outside but within our own selves. We have everything that we need within us only. By looking inside we become aware of our own greatness.

It is not just that you say, "I am fine," but you should really mean it and feel that you are indeed perfectly fine. Your aura should be so lively and happy that others should be eager to ask you, "How are you so cheerful and happy always?" For this to happen, you must be truly smiling in your thoughts, straight from your heart, and not just fake it and look like it is superficial.

We spend so much time decking up our faces to ensure that we have a beautiful appearance, yet we forget to decorate our mind, which is of utmost importance. We need to ensure our thoughts and feelings are positive and filled with good wishes for everyone. Can the body think, make decision or have the ability to judge or feel? No, it is the soul, the mind, which is the doer. The soul is the 'Vital Force' part of every human being and the soul performs the tasks of thinking and feeling, it is the most reliable possession of the outer body which we adorn so much.

The soul is separate from the body. But many don't recognize and make use of this vital force, the spirit which makes each and every body work so efficiently. Thoughts created by the soul travel, moving at a great speed. Let the thoughts of peace settle in your mind, knowing that these vibes from your thoughts can reach out and touch any person, anywhere on a mental level within an instant. The mental connection at soul levels can happen instantly. The need of the hour is to connect to God in meditation and send thoughts of peace, love and happiness out into the world. Once you allow your mind to be quiet and still, you will be filled with awareness and your attention span will increase, filling your being with peace and calm. You will ultimately discover, as within, so without: when we realize that the outer space is nothing but a reflection of the inner space, you would like to inculcate a habit where your thought patterns are absolutely right, positive, powerful and just perfect no matter what happens on the outside.

Transforming the world is the natural outcome of transforming our selves, this requires much practice, but the benefits are unlimited. Let's try looking inwards for eternal peace and happiness.

Gargi Agrawal
B.Com – I (Plain)

"The Changing Role of Youngster"

The present scenario has created a huge impact on the young minds. Now-a-days youth are taking up different roles and responsibilities.

They have varied interest now as compared to the earlier generation. The earlier generation studied with the aim of earning for their family. They had limited profession to think about and to choose from.

My message to the young people, once they reach their twenties is that, they must aim for greater things in life. Only having a greater aim is not enough, one should continuously acquire knowledge through great books, teachers, and wise human beings. When most of the people sleep, the leaders keep awake, plan and work hard. One should not be afraid of the problem but rather face it and defeat the problem and succeed in the end.

Today's generation has a branded view point. They are not much considerate towards every issue, be it social or personal. They want freedom and equality for everyone in the country. They want to develop their own way of living, having their own standards in life. They want peace, no disturbance in their life. If anything wrong happens with any of the youngsters in the country, then the whole community of youngsters will come together and stand as a group in support of their peers and make a big hue and cry about it on the social media.

The youth has turned out to be such a well informed and so well connected community in the country. They want to take part actively in the politics for the welfare of the country. This changing role of youngster would make them more responsible and more considerate not only for themselves but also towards the society. This will certainly bring in an era of reformation in big terms for today's youngsters.



Asha Sahu
B.Sc. - (III) year (Biology)





Urbanization - Boon and Bane for Environmental Sustainability.



Urbanization is a natural phenomenon and an inevitable character of developing economies and is emerging as a major demographic occurrence in a large part of the world. In India around 33.54% of the population resides in urban areas and the trend is growing at a rapid rate.

The increase in the rate of urbanization in any nation brings in new opportunities and challenges concerned to business, society and the economy as a whole. In India urbanization is regarded as a positive factor in economic

development, as the urban sector contributes about 62% of the GDP. Urbanization involves major changes in the use of natural resources and conversion from traditional to modern resource utilization. Hence it has become crucial to manage urbanization and environmental sustainability.

Industrialization is closely related to urbanization as it enhances livelihood opportunities, improves overall well being. It also helps educational institutions and other infrastructure while it allows upward economic mobility of residents and communities in the periphery.

Eshita Agrawal
B.Sc - II (Bio)

Mathematics - A Magical Language



“What you hear, you forget,
What you see, you remember,
What you do, you understand.
This is real learning, let's give it a try.”

Children acquire skills and knowledge easily if we can make the surrounding

stimulating and purposeful. In the 21st century, the digital revolution affects all. Quite simply, it is changing everything: education is easily available, in such a surrounding where work and effort is valued. The child's self esteem is brightened because of this self - motivation.

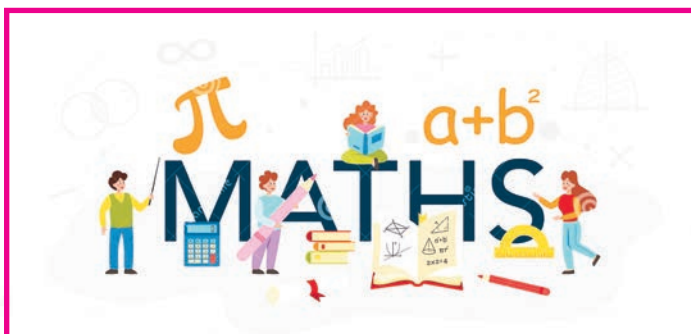
To instil a love of mathematics in young children, an entire week is celebrated in educational institutions with fun filled and interactive activities. This includes a wide range of objectives related to knowledge, skills, application based activities as per the attitude and their interest.

This was a chance to show how important Maths is in everyday life. We all need to use maths in such a way so that it becomes fun and students start looking at it like it is something to enjoy and not dread about learning mathematics.

Mathematics is a powerful language. It is expression of human mind which reflects the active will, the contemplative reasoning mind and the innate desire for gaining aesthetic perfection.

We have experienced how mathematics is not just some problem in a book in school, it's every where! From football fields, to shopping in the supermarket, from the bus timetable to

the capacity of a bottle of water, Maths is every where we go!



Name - Mohini Soni
Class - B.Sc. -II (CS)



Life Lately



Life is starting to feel a lot like
doing laundry
I know that the routine is
supposed to be
a good thing.
But I'm exhausted from the
repetition,
I wake up, my feet hit the floor
and I myself

drag into my little daily tasks
like I'm piling another load of clothes
into the washing machine.
Then I wait for the next redundant chore,
put the clothes, in the dryer,
fold the clothes, put the clothes in the drawer.
All the while something inside me is screaming,
begging for something more.
I know that sometimes simplicity is a good thing
but lately simplicity is suffocating me.
Simplicity is feeling like wasting time,
turning my love for life, inside out.
Emptying the spare change from my pockets
spinning me in circles and spitting me out like
soggy socks onto the floor.
I'm tired of washing
I'm tired of drying,
I'm tired of folding
I'm tired of putting clothes in the drawer.
Please tell me that life is not just doing laundry.
Please tell me that life is something more.
I know that there are people that have it worse.
There are some that have lost far more than what
I have lost.
But right now, I want to be selfish with my pain.
I want to pretend that you are the worst
possible thing to love,
because in this moment my soul aches for you!
And I was convinced that you were everything.

T Pooja Rao
M.Com. III Sem.

Unbelievable But the Truth

One day in 2010, a
British family thought of going
on a holiday to the Himalayas.
They rented a small resort for
them to stay. The boy in the
family named Lucas suggested
that the family should try skiing.
(I ski: In/; the action of travelling
over snow on skis) They all
went to the mountain and got
ready, they wore their scarves,
mufflers, snow boots, gloves
and jackets. They skied a lot but still wanted to do
more.



When they went up the mountain the
sixteenth time they felt some slight movement
under their feet. They all saw that a huge amount of
snow was tumbling down the mountain. All of them
immediately started skiing down. But, unfortunately
the snow caught Lucas. They realized it was an
avalanche. They immediately called the rescue
force. Lucas was deep inside the snow so they
started digging the snow, they dugged deeper and
deeper. Lucas's family started praying and didn't
lose hope.

A man from the rescue force told the
headman that he had observed a slight movement
under the snow. The headman himself started
digging the snow and he saw it was Lucas who was
stuck in the snow. They immediately pulled him out
and covered him with blankets and gave him all the
warmth he needed. Lucas was immediately given
medicines to treatment for dehydration and
hypothermia.

The next day everyone asked him with
curiosity that how had he managed to survive in
such a serious situation. Lucas replied, "I was trying
to wriggle through the snow, and found a pocket of
air so that I could settle there and breathe. I stayed
calm and waited for the rescue team to come. This
way of escaping from an avalanche I had seen on
the television." The headman and his crew were
astonished to hear that a 12 year old boy who was
stuck under six feet of snow for fourteen hours
managed to survive by following some instructions
he had seen on the television. Lucas was saved due
to his presence of mind and escaped from the
disastrous avalanche and went back home safely.

It's strange how fate changes every second,
which makes us believe that we write our own fate
but the real hand that writes it is guided and held
safely by the Almighty - God who always guides us
through our difficult time.

Aditi Shukla
B.Sc - II (CS)



Need to Abolish Slavery in Education



The golden bird “Bharat-varsh” is a thing of the past, in comparison to present day 'India'. The root cause for the downfall of this Golden bird, loving known as the “Sone ki chidiya” is bookish knowledge and a degradation of our education system. This was

what the Britisher's left for us, and we are facing the impact of it even now. This system has weakened the younger generation and pushed them towards loneliness, anger, fear and failure, the ultimate end of which results in suicidal death.

Emotional intelligence provides knowledge to adjust with the changing ecosystem and enhance confidence, gives one sound mind with creative thinking. This was the ultimate solution given by the excellent Gurukul system that was followed in the glorious past of Bharat varsh.

Gurus were very particular about imparting proper literary and practical knowledge as well as emotional intelligence to their shishyas.

Gurukul system educated shishyas to become a complete person having righteous character, become brave, disciplined and taught them to face the world and handle almost every difficult situation with proper wisdom.

It is very nice to know that all is not lost for the kids of today's generation. Our Government is focusing on bringing back the Gurukul system of education through the new 'National Education policy', which will provide flexible, practical training and skill oriented education. But this will change only if the educational institutes as well as parents will change and adapt their mindset towards the completer, holistic development of the students instead of just making our students become a part of the cut throat, rat race competition that's happening in the present situation. Let's bring back the glory of our past Bharat so that the world gets back its 'Sone ki Chidiya.’’

Poonam Dhankar
B.Sc – II (CS)

Knowledge



Knowledge is the paradise,
Where everyone wants to dwell

Knowledge is the pathway,
That leads to construct dreams.

Knowledge is the ocean,
That make life worth living.

Knowledge is the horizon,
Where people meet with success.

Knowledge is the precious gift,
Where the more you give the more you receive.

S. Komli
B.Sc - II (CS)



Unfit

Dear Teenagers,

I know you are sad because in an argument your mother took your younger brother's side, and this has started happening often nowadays, especially after you've entered this phase of life called as – Teenage. I know you are sad that firecracker on Diwali, playing cards on New Year's eve is no longer enjoyable. I know you're growing up, I know that watching Disney, Spiderman and other cartoon series doesn't make you feel like you are one of the characters. I know your world seem ups and down when your mom is not around. I know you want to be sick to avoid going to school. I know you don't want to eat green vegetables. I know your favourite colour was blue but now has changed to black. I know your Maths notebook is incomplete, I know you gained so much weight last year. I know you don't want to give speech on the Annual day. I know you feel everyone stares at you while you are walking. I know you love to spend time on the roof of

your home. I know it's difficult to cut nails of your right hand all by yourself. I know that now, finally and truly you know that Santa Claus doesn't exist!

It's okay to be the extra payer in a football team. It's okay to look at yourself in the mirror for hours. It's also okay if you didn't join the New Year's party with your friends. It's okay if your shoe laces get undone while running. It's okay to feel the butterflies fluttering in your stomach when that someone special person smiles at you. It's okay if you stammer sometimes in a hurry. It's okay if you are wearing the same old dress for some family function or occasion. It's okay to have pimple on the tip of your nose. Sometimes, it's okay to feel uncomfortable because that's the first step that you take for standing out of your comfort zone. The word impossible itself says I am possible, so dear Teens, it's okay if every Christmas your parents keep a gift near your pillow. You can still believe in miracles, magic and love, so what if you have become a Teenager now!

A Confession

You make every situation fine
you are my ultimate sunshine

In a crowd, the way you hold my hand
you make me feel there is a fairy world in this land

I feel safest when you are around
you never allowed stones to give me any wound

A doubt I've in my inner mind
how can someone's heart be so beautiful!

And I truly want to tell
I'm so glad
that you are my Dad.
The most wonderful soul in this world!



Rashmi Patel
B.Sc - II (CS)



New Wave of Robotic Automation



Robotic process automation (RPA) is the next wave of innovation, which will change outsourcing. The beginning of the arms-race for innovation in automation tools leading to new range of firings and delivery models.

Some people say that Abacus was the first computing machine. This is how computing era started decades back. Nowadays, the business operations are leap jumping into new technological land of so called robotic process automation. It is one of the most advanced technologies in the field of computer science, mechanical engineering, IT and electronic and communication. The year "2018" was known as the year of RPA. A robot is an electrochemically designed machine, programmed by a computer, and is capable of carrying out complex series of action automatically.

Artificial intelligence has a central role in robotics. "SOPHIA" is the first social humanoid Robot developed by Hong Kong based company Hanson Robotics. This humanoid robot can track faces, maintain eye contact and recognize people. SOPHIA was activated on April 19th, 2015 in Austin, Texas, US. In future robots are very much going to be an integral part of human society.

Across the globe, many sectors are already trying to deploy these RPA technologies, including manufacturing industries, chemical plants, the healthcare sector, aviation and so on. Hence, all the industries are entering into this new world of robotic technologies. A robot never sleeps, (but will surely need to be charged), will make zero mistakes, but we cannot say that if they will cost less for the common man to use a Robot for their daily chores and routine. But the future of Robots and Robotics Technologies is certainly very bright.

Yashasvi Sahu

B.Sc – II (PCM)

Life a Beautiful Game

Why should you be so sad?
After all, life is not so bad
Failures are there in every body's fate
You won't receive success at your gate.

You can't predict the situations of this game
Sometimes you get disgrace, someday fame
It is a big game so we don't have time to waste
People wandering to find their way in haste.

Many advise us, try-try and you will succeed.
But no one tells us how to sow the right seed.
Things may come and things may go
What changes life will bring, you never know.

Life is as beautiful as a bunny's ride.
And has cluster of phases like prejudice and pride.
Explore this game, learn lessons from the past
To personify your character, sharpen your present
at last.

Life is short, so enjoy it as a whole
Be like elastic and awaken your soul.

Smile*

Smile is a beautiful gift of god,
Smile doesn't ever look odd.
It is the most precious gift to
give and to get.

It is a thing we cannot describe,
Two lips and a warm heart,
are all that's needed to make a
smile.

Each and every mood has its own smile,
It can't be hidden, it can be stolen,
Everyone has a special smile,
that's all their own.

So my friend, make your life like a smile,
Forget all your sorrows and be happy,
Make it a habit to always smile,
And let's see smiling faces everywhere.



Babita Sahu

B.Sc. III (CS)
Secretary - Student's Union Council



Teen Depression



Teen Depression Teen depression is a serious mental health problem that causes a persistent feeling of sadness and loss of interest in activities. It affects how the teenager thinks, feels and behaves, and it can cause emotional, functional and physical problems. Although depression can occur at any time in one's life, the symptoms and effects may be

different for teens and adults.

Issues such as peer pressure, academic expectations and changing bodies can bring a lot of ups and downs for teens. But for some teens, the lows are more than just temporary feeling—they turn out as a permanent form of depression for them.

Teen depression isn't a weakness or something that can be overcome with will power; it can have serious consequences and requires long term treatment. For most teens, depression symptoms ease with treatment such as medication and psychological counselling.

The prominent symptoms that are noticeable in a teen are as follows – they start to sing, which is of course a good, positive thing. The symptoms include a complete change from the teenager's previous attitude and their way in facing and handling the problems at school or home and in other areas of their lives.

Depression symptoms can vary whether it is just mild or to the rate of causing harm to oneself or to others, which becomes a matter of prime concern. The prominent likely changes in the teen's emotions and behaviour can be one or more among these points :

Emotional changes -

- Feeling of sadness, which can include sudden spells for no apparent reason.

- Frustration or feelings of anger, over even small matters.
 - Feeling hopeless or empty, irritable or annoyed, become too moody.
 - Feeling of worthlessness or guilt, having extreme low self esteem.
 - Loss of interest in usual activities or conflict with family and friends, etc.
- Behavioural Changes -
- Tiredness and loss of energy, insomnia or sleeping too much.
 - Changes in appetite and feel agitation or restlessness.
 - Social isolation, paying less attention to personal hygiene or appearance.
 - Poor performance at school/college, angry outbursts, disruptive or risky behaviour.
 - Making a suicide plan or a suicide attempt, etc.

It is very difficult to tell and understand about the ups and down that happen with the teens. It's a part of being a teenager and going through this crucial period when their hormonal changes are of prime importance. If this is understood, kept in check and controlled, then it would be bit easier to understand about teen depression.

At the first sign of depression, parents and elders have to get into action immediately and get proper psychological counselling done so that it doesn't get escalated. One can always consult with one's family doctor, psychological counsellors and mental health professionals, who are trained to work with teens and adolescents regarding depression and how to handle it and come out of it safely, back to a normal life. This is of prime concern as it may get worse or lead to other serious problems if not taken care of at the right time. Life is a very precious gift that we need to use wisely and make this journey of our life happy.

Garima Sahu

B.Sc - III (Bio)

From the Ashes She Became

Before she became fire, she was water.
Quenching the thirst of every dying creature.
She gave and gave,
Until from sea she turned into a desert.
But instead of dying due to the heat,
the sadness, the heartache,
She took all her pain,
and from her own ashes became fire.



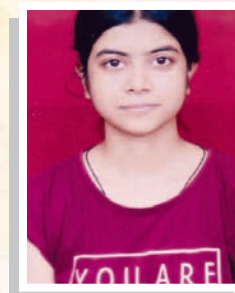
Tarini Rajak

B.Sc. Year - II (CS)



10 Facts You Didn't Know

1. If you didn't move for 15 minutes, you'll fall asleep.
2. First 3 seconds you wake up, you'll not remember anything.
3. You can die from fear, because the body releases a big amount of adrenaline which can be toxic in high amounts.
4. Study showed, if you speak and encourage yourself in front of the mirror, you'll be stronger mentally.
5. Shy people are smarter and more trust worthy.
6. Often when a person starts crying, he will remember other sad events to increase his crying, this is called as "Scumbag-Brain".
7. Human body gets partially paralyzed during sleep, to prevent itself from getting harmed.
8. Psychologically, when you're very sad, you'll feel everyone around you happy.
9. Tickling was actually a torturing method.
10. When you sneeze, you die for a second



Tarini Rajak
B.Sc.-II (CS)

How Optimism Benefits Your Health



The pessimist may be right in the end but the optimist has more fun along the way. What a positive mind set may be doing is more than just providing a bit of fun. Optimism can definitely improve your health.

We've known for a long time that mental and physical states of our mind are connected. But the mental side of things often gets over looked may be this is because we don't quite understand how the brain works like we know about the other parts of the body.

An optimist is someone who has a positive outlook on life. It doesn't necessarily mean you're always happy or that you are a completely successful person. Pessimists have a negative outlook towards life but it's not that they never experience joy; they also are successful in life.

At the same time, someone who is at the bottom of the ladder of success as per the societal norms, such a person can be an optimistic.

Being optimistic is associated with having low health risk factors such as lower blood sugar and lower levels of cholesterol. In addition, positive thinking also boosts your immunity and reduces your chances of infection and cancer.

Apart from the health benefits, optimistic people tend to have a longer lifespan than people with a negative outlook. So now you know what is at work to give us a healthy life – definitely, it is Optimism and having an optimistic attitude towards life!

Swalia Parveen
B.Com - I (Plain)



MY INDIA MY PRIDE



Indian Armed Forces

The Government of India is responsible for ensuring the defense of India and every part there of the Supreme command of the Indian armed forces vests in the president. The

responsibility for national defense rests with the cabinet. This is discharged through the ministry defense, which provides the policy frame work and where with al to the armed forces to discharge their responsibilities in the context of the defence of the country. The Indian armed forces comprise of three divisions - Indian army, Indian novy and the Indian Air force.

Indian Army

The Indian subcontinent had witnessed the cohesive concentration of many empires in the quest for control of military power, and governance of the state. As time rolled by, societal norms found on ethos in the work place, the system of rights and privileges and service under the flag.

The Indian Army, as we know it today become operational after the countoy gained independence from british colonialism. The Indian Army's HO is located in New Delhi and functions under the chief of Army staff (Coas), who is responsible for the command, control, and administration as a whole. The Army is divided into six operational commands (field armies) and one training command, each under the command of a lieutenant general, who has an equal status to the vice0chief of Army staff (VCOAS), working under the control of Army HQ in

New Delhi.

Indian Navy :

The foundation of the modern Indian Navy was laid in the seventeenth century when the east India Company had establis hed a maritime farce, there by graduating in time to the establishment of the Royal Indian Navy in 1934 the Head Quarters of the Indian the command of the chief of the naval staff - an admiral, the Indian Navy) is deployed under three area commands each headed by a flag officer. The western Naval command is head quartered in Bombay on the Arabian sea; the southern naval command in kochi (Cochin), in kerala, also on the Arabian sea; and the Eastern naval command in vishakapatnam, Andhra Pradesh, on the Bay of Bengal.

Indian Air Force :

The Indian Air force was officially established on 8th October 1932, and on 1st April 1954, Air Marshal subroto mikheriee, one of the founding members of the Air force took over as the first Indian chief of Air staff with the passage of time the Indian Air force undertook massive upgrading of its air araft and equipments and as part of the procers, it introduced more than twenty new types of aircrafts the last decad of the twentieth century saw a phenomenal change in the structure of the Indian Air force with induction of women into the air force for short service commissions it was also a time when the air force undertook some of the most perilous operations ever.

Varsha Patel
B.Sc. - I (CS)



Social Media - Boon or Bane ?

Social Media is a virtual interactive platform for sharing ideas, views and information. It has become an inseparable part of our lives, as it keeps us aware of the daily happenings around the world. With social media, we are just a few clicks away to access the unknown things. Without a doubt social media has revolutionized the process of communication. Social media Apps like Facebook, Instagram, twitter, Snapchat, Skype and other Apps have made our lives way more easier than ever.

Like the two sides of a coin, social media also has two sides -

Positive side of Social Media -

- Through social media, we can communicate with people even from far away places.
- Social media has become a globalized platform of talents. People with various skills and talents share it with the world in the form of videos; audios etc, and post it on social media.
- Government uses social media to create awareness among people and inform them about any particular event.
- Social media helps students in education also. Teachers can make use of social media to teach their students online, especially during the time of pandemic when attending physical classes are not possible. Social media Apps have taken the place of classrooms. Although social media has connected a lot of people and is making life easy, yet it has its own drawbacks.

Negative side of Social Media -

- Social media makes people addicted to it. When people constantly keep on using social media people are seen to spend quite a lot of time on social media ignoring other productive works. It is so addictive that it keeps people aloof from real life situation that hampers their social life in the long run.
- Cyber bullying, hacking, cat fishing etc is happening at a large scale in the present times. Social media users are the easy targets of these online criminals. As the privacy security is not that secure on social media platforms, personal and private information of the users are a high risk of being hacked.
- Social media can also promote unhealthy competition among its users; almost everyone on social media is in a race to show how exciting their lives are. Even though they lead a simple life yet they fake about their real lifestyle. In such cases, a person might not appreciate their own life and keeps complaining about everything.

It can be rightly said that social media is both a boon and a bane, with all its pros and cons. But at the same time it has proved to be a great tool if used wisely and operated with good intentions.



Rifat Fatima

BCA – Final

SOCIAL MEDIA



“Concentration”

The Key to Success !



Our world has become busier and busier with more channels on TV, Radio, Online entertainment platforms, website, E-mails, mobile phones and other forms of attractions and interruptions in our daily life. We

become overwhelmed in finding new ways for simplifying our life. But in reality the so called time saving devices end up chewing up more and more of our time. By the end of the day all of us want to be successful but unfortunately we are unable to focus on one single thing.

One of the secrets to success, a powerful tool and a magic key to become an extraordinary person is “Concentration”. Ordinary people use this simple tool, which knowingly or unknowingly make them extraordinary, helping them to achieve excellent results in their lives.

Concentration – a simple 13 letter word which has tremendous power to transform lives is defined as “the ability to direct one's thinking in whatever direction one intends to.” Success and failures are part of the progress in our life, but each

has to be handled differently. Though the common factor for both remains the same; i.e. 'Concentration.'

Successive failures in life sometimes make one think about our lacking in having good concentration and hence unable to focus on the task at hand. Concentration is a skill that can be improved with constant habit, training and practice. To conclude, it goes without saying that concentration helps us to solve problems and makes us attain our goals through the best path. It is very difficult to succeed without concentration. A mind that can concentrate is a beautiful mind. Thus being mindful and being concentrated will give us power to overcome the challenges in life and give desired results in the end. Don't you think concentration is indeed the Magical key to success? So let's begin to improve our concentration today!

Remember the mystical words of Lord Jesus :

“Whatsoever thing you desire, when you pray as if you have already received it, you shall get it.”

Akshita Joshi

B.Com. II (W.C.)

Happy Days



Human life is full of up and downs. In life there never comes a period of endless joy. One does not have happy days all throughout their lives. Human life is best with problems, as these problems are associated with success and failure. While success brings joy, failure

causes sorrow. Thus joy and sorrow are the two sides of the same coin called life.

It is natural for us to be overwhelmed with joy when we attain success in life. Similarly we also get despaired and dejected at failure. We must face the problems and challenge of life boldly without being depressed. Happy days don't come often in our lives but when they do come, they fill our minds with joy and ecstasies.

B. Apurva Naidu

B.Sc. II (Bio)

MATHEMATICS



Mathematics is all around us. It's everywhere we go.

- It's in our kitchen, in our house and in our surroundings.
- Mathematic is used in running shops, business, cooking and in every single activity

we do in our daily life.

- Mathematics is very helpful in our everyday life.
- Mathematics is a deliberate utilization of issue.
- Information on math helps you make better choices throughout everyday life, which helps make life simpler.
- The financial area is identified with maths; thus, even the clients should be acquainted with it.
- Mathematics is the most beautiful and most powerful creation of the human spirit.
- The study of mathematics, like the Nile, begins in minuteness but ends in magnificence.
- Mathematics is the best thing in this world because it is true and logical.

Shashi Sahu

BCA-III

A SMILE



She waited for a reaction.

She did not expect a prize, though.

He smiled

She was on cloud nine! Nothing mattered anymore!

"Dad, I won first prize in essay writing!"

"Yeah, well, you can still do better."

"Dad, I won first prize in State level!"

"Hmm. You can do better."

"Dad, I have been, short-listed, among top ten writers with large followers."

You are not the first, are you?"

"Dad, I wrote this short story for you!

"Well....."

"Dad stopped, read from the beginning again and smiled!"



Why God Made Teachers

When God created teachers,
He gave us special friends,
To help us understand His world
And truly comprehend
The beauty and the wonder
of everything we see,
And become a better person
with each discovery.

When God created teachers,
He gave us special guides
To show us ways in which to grow
so we can all decide
how to live and how to do
What's right instead of wrong.
To lead us so that we can lead
And learn how to be strong.

When God created teachers,
In His wisdom and His grace,
was to help us learn to make our world
A better, wiser place.



Smita Suryavanshi

B.Sc - III (PCM)



Life Still Goes on



For the first time in Chhattisgarh a cadaver transplant i.e. surgery to implant organs extracted from a brain dead person in other patients has been done. For this a team of more than 100 doctors and technicians performed surgery continuously for 32 hours in a hospital in Raipur. Kidney and liver were removed from the body of a

brain dead 44 year old woman and these organs were transplanted to three different patients. The remaining organs were sent to different hospitals, where they would soon be used for the needy recipients.

A lady named Mrs. Amarjeet Kaur 44 yrs old; a resident of Kabir Nagar in Raipur, C.G. was declared brain dead due to brain stroke. Her family expressed their desire for organ donation and the administration helped them in this noble cause. Dr. Sandeep Dave, Managing Director of Ramkrishna Care Hospital, Raipur, (C.G) was very glad at the noble gesture of the family of Mrs. Amarjeet Kaur. He was thankful to her family and relatives for having agreed for cadaver organ donation. Immediately they started the preparation to ensure that there was no mistake, a team of more than 100 doctors and nursing staff was formed.

A counselling team stayed with the family throughout the entire process to provide emotional support to them.

The organs were removed from the body of the brain dead person. Doctor's informed that twelve organs from the brain dead donor's body were used for transplanting to other needy patients. These includes two kidneys, two corneas, lungs blood vessels, muscles and ligament, cartilages, heart valves, liver, bone marrow, skin and pancreas.

Of these organs, kidney and liver had to be transplanted immediately to other patients. The corneas were sent to AIIMS, three heart valves were sent to Sathya Sai Hospital, where it was used on the respective needy recipients.

We all need to pay our respect and tribute to Mrs. Amarjeet Kaur, along with her family and relatives has helped humanity enormously. They have set such a noble example for everyone, that even after death, how useful a person can be in the lives of so many people.

Mrs. Amarjeet Kaur – you will always be remembered and you are alive in all those people who got a new life because of you.

We express our heartfelt gratitude to Mrs. Amarjeet Kaur and to her family.

Suvigya Singh

B.Sc - II (PCM)

Love And Repentance

A wave of feeling of love keeps rising in the young hearts easily. Sometimes they get so immersed in these waves that they start feeling there is only love in this life, in their life.

Love and trust are two sides of a coin, but in the changing milieu, "love" has been replaced by attraction and "trust" has been replaced by deception. It cannot be denied that the river of soft and sweet feelings of love has been flowing in this world for ages. Don't know how many stories, poems, how many songs have been written keeping in mind this one feeling of love as the main focus. The human heart can never be devoid of love, the soft emotions of love will continue to sprout in the young hearts. Even today there are many such examples where love is held as the most dignified emotion, worthy to be worshipped as God.

At the same time many unwanted incidents are coming to the fore where it becomes necessary that we change our perspective regarding love and friendship. The young minds need to know whether the correct knowledge

about love and friendship is in sync with the true feelings about these emotions. If not, then it becomes imperative for them to get the right knowledge so that one can decide between right and wrong.

Today the time has come when efforts should be made to remove the root causes of such gruesome incidents, to make youths aware, to change their thoughts, ideas and to guide them properly. Thus the lives that may get destroyed by getting caught in the web of lies, in the name of love and friendship can be saved.

When love gets tied up in marriage, then it becomes necessary to discharge the responsibilities of maintaining the dignity of this pious relationship. In the same manner, the relationship of friendship should also be full of trust. When this thread of trust gets broken many incidents of heinous crime and sins happen and in the end only repentance is left behind.

Sakshi Upadhyay

B.Sc III (CS)





My Unforgettable Experience as an NSS Volunteer



It is very difficult to write in few words about what I have got and experienced being an NSS volunteer. It is my good fortune that I decided to join NSS and become a volunteer.

The National Service Scheme (NSS) is an Indian government sector public service program conducted by the Ministry of Youth Affairs and Sports of the Government of India. Popularly known as NSS, the scheme was launched in Gandhiji's Centenary year in 1969. Aimed at developing student's personality through community service, NSS is a voluntary association of young people in Colleges, Universities and Class 12th of School level, working for a campus-community (esp. Villages) linkage.

The programme aims at instilling the idea of social welfare in students, and to provide service to society without bias. NSS volunteers work to ensure that everyone who is needy gets help to enhance their standard of living and lead a life of dignity. In doing so, volunteers learn from people in villages how to lead a good life despite a scarcity of resources. It also provides help in natural and man-made disasters by providing food, clothing and first aid to the victims in disaster.

The best part about NSS is that it gives you the opportunity to interact and talk to people from different social strata. I learnt to be humble and learnt how to talk to the poor, the rich, the needy, the humiliated ones, the successful ones, the struggling ones, and many more people.

I would never have come to talk to so much different varieties of people had I not joined NSS. What this experience gave me is that I learnt so many things from each and every one of the people I have met in all the events, programs and camps that I got a chance to attend in NSS.

I understood how our society works and how we live in such a well knit community. I learnt all this through the practical experiences I got being an NSS Volunteer. These life lessons can never be taught through any textbook or syllabus in any University. I have come to know this lesson so well now.

My experience in NSS is definitely unforgettable. It has made me so experienced about how to live my life, not just for myself but how to be useful to the society and give back to the community. I will always cherish those wonderful moments which NSS has given me. I will always be grateful to Mrs. Ratri Lahri, my Mentor and my guide who inspired me and taught me to become a good volunteer in NSS.

I have made so many friends in NSS and they will always be a part of my life. I am certainly going to miss being an NSS volunteer, my Mentor and my dear friends and all these after I pass out from my college after my Graduation.

The feelings and emotions I have expressed through this poem will always be a part of my heart, just like NSS is in my heart forever.

Jai Hind

Yashasvi Bhargav

B.Sc. III (CS)

मुझे एक प्यारा NSS परिवार मिला
चन्द दिनों में पक्के रिश्तों का उपहार मिला
उम्मीद से बढ़कर साथियों का साथ मिला
खुशबू जैसे साथियों का साथ मिला
प्यारी बहनों का स्नेहपूर्ण साथ मिला
NSS में अपनों सा प्यार मिला
एवं मुझे एक प्यारा सा परिवार मिला
हम सबने बांटा एक-दूसरे का प्यार

और क्या कहूँ इस विषय में ये है मेरा NSS परिवार
जब मिले थे हम सभी तो थे हम अजनबी
पर अब ऐसा लगता है परिवार बन गये हम सभी
और बार-बार सिर्फ लक्ष्य गीत गाना चाहेंगे
कुछ अपनों के विश्वास की कुछ सपनों के संसार की
अपनेपन की खुशियों में खुशहाली का द्वार
जीवनभर की खुशी है NSS परिवार

जय हिन्द



Social Media "A Virtual Society"



Social Media is a word, with which we all are very familiar in this modern day. It is a society, sort of an unreal world, in which we are all connected but in a virtual way. We all can share our feelings, happiness, emotions etc, and mostly we enjoy sharing these positive feelings and feel pleased

on receiving these same feeling in return from our near and dear ones. Social media is a global platform; here also we share our talent, feelings, thoughts and ideas.

The people who don't know us directly, they also come to know about our creativity and emotions which makes us accepted on the social media. A lot of views, a lot of likes, lots of positive comments and encouraging words, all these make us popular and make us feel important and special. A person can get the appreciation and love of the whole world by using the social media and get admired.

Once we feel accepted in the virtual world, we start disclosing our deep emotions and feelings in front of people about whom we don't know anything. The same person who showers us with appreciation and love may turn out to be totally different in the real world.

We are getting trapped in a society which is mostly virtual. "Real people are there, but hiding behind a virtual screen." It sometimes becomes very difficult to understand and judge who is real and who is not real. The virtual reality of social media is like quick sand, where you get caught deeper and deeper, once you enter into the world. And there is no return from this world. Only thing to be kept in mind is that one should not get harmed, cheated or duped in any way by using social media. And also another thing to be kept in mind is that one should not get addicted to the social media, as it can be very lucrative and portray a glamorous lifestyle, which is very fascinating for the younger generation.

"Real people are there, but actual relationships are not there."

We can't trust peoples blindly on social media platforms, though we are free to share our feelings, emotions but we need to be cautious about people out there in the virtual world, ready to misguide and cheat people. So please use the social media wisely.

Mitali Bose
B.C.A - III

My First Day at College

I still remember that day,
My first day at the college,
I was happy as well as nervous,
Experiencing the place and meeting new friends.
College to me was cheerful,
Maths, Physics, Chemistry were fearful,
As I stepped into my class,
I thought I was the greatest fool.
Then I got a bit relaxed,
Introduced myself to them all,
though I was shy in front of the girls,

somehow I managed to talk with all.
And then in came our Miss,
Having a smile on her lips,
She then asked our names,
We told them one by one.
She looked extremely happy
And we all gave a big applause
I still remember that day,
My first day at College!



Saniya Anjum Ansari
B. Sc. III (PCM)



बैठे हुए (दायें से बायें)	डॉ. वंदना अग्रवाल, डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ. संध्या गुप्ता (प्राचार्य), डॉ. अमिता तेलंग, श्रीमती कविता सिलवाल
प्रथम पंक्ति (दायें से बायें)	डॉ. सीमा चन्द्राकर, डॉ. दीपशिखा शर्मा, श्रीमती ज्योति वर्मा, कृ. पुनम कंटकर, श्रीमती रुकमणी दिगस्कर, कृ. अंजली देवांगन, डॉ. देवश्री वर्मा, डॉ. मेघा अग्रवाल, डॉ. रिन्कु पांडे, डॉ. अनुराधा गुप्ता, डॉ. अदिति जोशी
द्वितीय पंक्ति (दायें से बायें)	डॉ. सीमा साहू, कृ. राजनंदनी साहू, कृ. गीतमी यादव, श्रीमती रेणु गिडियन, कृ. मान्या शर्मा, कृ. प्रीति साहू, डॉ. राबिया खान, डॉ. रैनी अग्रवाल, श्रीमती टीनु दुबे, कृ. आंशिका दुबे, डॉ. सिमरन वर्मा, कृ. संध्या जायसवाल
तृतीय पंक्ति (दायें से बायें)	श्री मनोज कुमार साहू, श्री शैलेन्द्र यादव, श्री सतीश तिवारी, श्री वैभव सिंह ठाकुर, श्री प्रशांत पांडे, श्री प्रवीण बंछोर, श्री छवि राम साहू, श्री गौकरण साहू

माइंस मेले के लिए बच्चों ने बनाया मॉडल रसायन और गणित विषय पर संगोष्ठी

सिटी रिपोर्टर | अक्सर इंटरनेशनल साइंसेस की ओर से आयोजित किए जाते हैं। इसमें स्टूडेंट्स ने रसायन, जीवशास्त्र, भौतिक विज्ञान, पंचम तंत्र, कैंसर तंत्र, आदि विषयों पर बच्चों के द्वारा मॉडल तैयार किए।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर बरौदा में नवभारत रिपोर्टर | मांडर।

गुरुकुल महाविद्यालय एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम बरौदा में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 19 से 25 नवंबर तक किया जा रहा है। कार्यक्रम अधिकारी रात्रि लहरी ने बताया कि पहले दिन उद्घाटन समारोह के दूसरे दिन ब्लड डोनेशन शिविर, तीसरे दिवस सिकलसेल प्रीक्षण चौबे दिवस नेत्र परीक्षण व पांचवें दिवस बाँडी चेकअप और प्रत्येक दिवस बौद्धिक परिचर्चा में अलग-अलग विषय के विशेषज्ञ द्वारा विषय की जानकारी दी जाएगी। उद्घाटन मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, सचिव एम एल पांडे जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, जयपद अध्यक्ष उत्तरा कमल भारती, एनएसएस प्रमुख डॉक्टर नीता बाजपेई व शांसी निकाय के अध्यक्ष अजय तिवारी ने किया। कार्यक्रम में गुरुकुल महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर संस्था गुप्ता, हाई स्कूल के प्राचार्य ममता सिंह व सरसंगंघ दामिनी जगौरा महिला...



डोनेशन एचडीएफसी बैंक द्वारा रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से ब्लड डोनेशन किया गया। जिसमें एचडीएफसी बैंक के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट एंड करसी चैप्ट हेड रायपुर, स्वयंसेवकों व बरौदा गांव वासियों ने ब्लड डोनेट कर पूरा सहयोग किया। जिसमें अचरनी साहू, चन्नु साहू, उर्मिला साहू, राजा शर्मा, दुर्गात मणिकर्परी, हेमंत...

खबर संक्षेप

बरौदा में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू रायपुर। स्वच्छता अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत गुरुकुल महिला महाविद्यालय रायपुर द्वारा ग्राम पंचायत बरौदा में सात दिवसीय एनएसएस शिविर लगाया गया। इस शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य किया गया। इस अवसर पर एनएसएस की छात्राओं का उद्घाटन करने के लिए जिला पंचायत रायपुर की अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, अजय तिवारी, सचिव एमएस पाण्डेय, जयपद अध्यक्ष उत्तरा कमल भारती, संस्था तिवारी, नीता बाजपेयी, सरसंगंघ दामिनी-जगौरा, उपसरसंगंघ भागवत साहू आदि उपस्थित रहे।



गुरुकुल महिला महाविद्यालय में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण आयोजन



गुरुकुल कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी

सच तक इंडिया NEWS जिनह की खबरों की तह तक

सच तक इंडिया NEWS जिनह की खबरों की तह तक

विज्ञान परिषद द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

जानकारी दी ' रसायन शास्त्र विषय में पोस्टर एवं मॉडल प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया ' इस संगोष्ठी और पोस्टर एवं मॉडल स्पर्धा में विज्ञान विभाग की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की 200 छात्राएं सम्मिलित हुईं। इस संगोष्ठी में प्राचार्य गुरुकुल महिला महाविद्यालय डॉक्टर संस्था गुप्ता, विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना अग्रवाल, विज्ञान परिषद के सचिव डॉक्टर अनुमोधा गुप्ता, समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित हुए।

विज्ञान परिषद द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी और पोस्टर एवं मॉडल स्पर्धा में विज्ञान विभाग की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की 200 छात्राएं सम्मिलित हुईं। इस संगोष्ठी में प्राचार्य गुरुकुल महिला महाविद्यालय डॉक्टर संस्था गुप्ता, विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना अग्रवाल, विज्ञान परिषद के सचिव डॉक्टर अनुमोधा गुप्ता, समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित हुए।

योग्यता से ही कौशल का विकास संभव

सिटी रिपोर्टर | गुरुकुल कॉलेज में कौशल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को उद्यमिता के लिए कौशल विकास अधिकारी की जानकारी दी गई। उद्यमिता में कौशल प्राप्त करना...



नईदुनिया रायपुर, गुरुवार 2 दिसंबर, 2022



गुरुकुल महिला महाविद्यालय में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

TheHitavada Raipur City Line | 2022-11-30 | Page-4 ehitavada.com

Inter College Kho Kho G'ship held at GMM



Kho Kho winning team members posing for a group photo with guests.

Sports Reporter RAIPUR, Nov 29 final match was played between UTD Raipur and Government D B Girls College. The UTD team defeated their opponent by a huge margin of 14-1 points. Secretary and Sports Officer Rinku Choudhary said...

कौशल प्रशिक्षण का शुभारंभ

रायपुर (संविधान) प्रतिस्पर्धा में कौशल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को उद्यमिता के लिए कौशल विकास अधिकारी की जानकारी दी गई।



प्रगति कालेज व गुरुकुल कालेज बने विजेता



अमरत सटेया । रायपुर

उच्च शिक्षा विभाग के विज्ञान विभाग के अंतर्गत प्रगति कालेज व गुरुकुल कालेज के बीच आयोजित प्रतियोगिता में प्रगति कालेज विजेता बन गया।

ऑपरेटिंग टेनिस बॉल स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का चयन

रायपुर 14 नवंबर को आयोजित ऑपरेटिंग टेनिस बॉल स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया।



एनएसएस शिविर का आयोजन

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

अमरत सटेया । रायपुर

उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रगति कालेज व गुरुकुल कालेज के बीच आयोजित प्रतियोगिता में प्रगति कालेज विजेता बन गया।

अरुणगिता - 2022-23 58

अमरत सटेया । रायपुर



फ्रेशर पार्टी



इण्डक्शन कार्यक्रम 2022-23





गुरुकुल महिला महाविद्यालय

नैक विजिट झलकियाँ

अरुण मेघ





विज्ञान परिषद गतिविधि





राष्ट्रीय सेवा योजना गतिविधि 2022-23

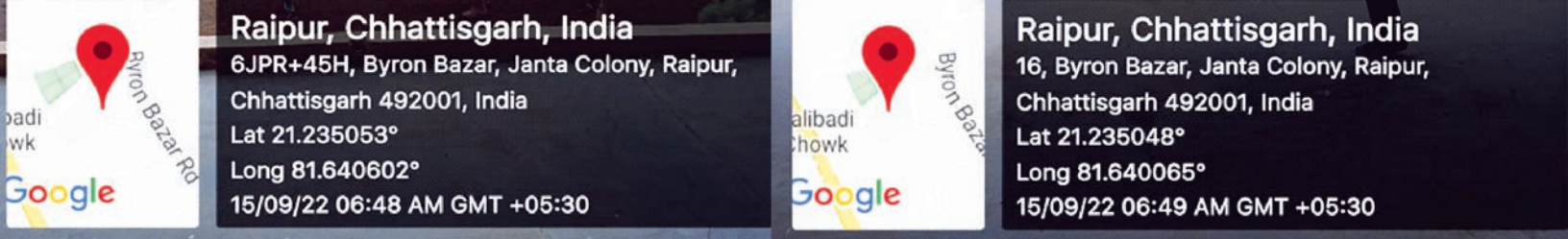




योग प्रशिक्षण शिविर 2022-23



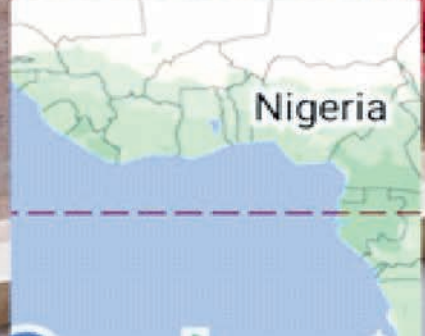
जुम्हा प्रशिक्षण 2022-23



Byron Bazar Rd
Raipur, Chhattisgarh, India
6JPR+45H, Byron Bazar, Janta Colony, Raipur, Chhattisgarh 492001, India
Lat 21.235053°
Long 81.640602°
15/09/22 06:48 AM GMT +05:30

Byron Bazar
Raipur, Chhattisgarh, India
16, Byron Bazar, Janta Colony, Raipur, Chhattisgarh 492001, India
Lat 21.235048°
Long 81.640065°
15/09/22 06:49 AM GMT +05:30

Byron Bazar
Raipur, Chhattisgarh, India
16, Byron Bazar, Janta Colony, Raipur, Chhattisgarh 492001, India
Lat 21.235048°
Long 81.640065°
15/09/22 06:49 AM GMT +05:30



Raipur, Chhattisgarh, India
16, Byron Bazar, Janta Colony, Raipur, Chhattisgarh 492001, India
Lat 21.234819°
Long 81.640066°



स्व. श्रीमती डॉ.अनीता सेन

पूर्व अध्यक्ष



देश के सुविख्यात तुमरी गायिका शिक्षाविद्, साहित्य की पोषक स्व. डॉ. श्रीमती अनीता सेन में बाल्यावस्था से ही संगीत के प्रति समर्पित भावना दिग्दर्शित होने लगी थी। श्रीमती सेन में अनेक ऐसे गुण विद्यमान थे जिनके कारण वे अत्यंत लोकप्रिय रही है।

सत्यमशिवम्-सुन्दरम् के अतिरिक्त संगीत साधना एवं पति आराधना की प्रवृत्ति से ही सुर लय ताल का एक ऐसा संगम निर्मित हुआ जहाँ संगीत की स्वर लहरियाँ उनके जीवन में प्रगति और सफलता की अनूठी मिसाल बन गई।

एक पात्र के रूप में पुनीता, विदुषी और विभिन्न उत्कृष्ट उपमाओं से अलंकृत स्व. डॉ. श्रीमती अनीता सेन भले ही सशरीर हमारे साथ नहीं हैं, किन्तु आजीवन उसकी स्मृति हमारेमानस पटल पर अमिट रहेगी।





भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति द्वारा संचालित

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन : 0771-4053443

Email: info@gurukulraipur.com

Website : www.gmm.ac.in